बालाघाट
सोमवार 26 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 35
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में 11वीं गिरफ्तारी

सोनीपत। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में पुलिस ने 11वीं गिरफ्तारी की है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव हरसाना निवासी प्रांजल को इंदौर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, शूटरों तक हथियार और जिंदा कारतूस पहुंचाने में उसकी अहम भूमिका थी। आरोपी की निशानदेही पर गुजरात के सूरत से तीन अवैध हथियार और 10 कारतूस बरामद किए गए हैं। इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों में से आठ सोनीपत जिले के रहने वाले हैं। प्रांजल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। परिजनों का दावा है कि उनका बेटा निर्दोष है और उसे गलत तरीके से हिरासत में लिया गया है। उनका कहना है कि प्रांजल का टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

सतना-देवेंद्रनगर और रीवा-चुरहट रेलखंड शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में सतना-देवेंद्रनगर और रीवा-चुरहट रेलखंडों का उद्घाटन किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को दोनों रेलखंड राष्ट्र को समर्पित किए। इस दौरान देवेंद्रनगर-चुरहट यात्री ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई गई। अधिकारियों के अनुसार, इन रेलखंडों के शुरू होने से विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र में रेल संपर्क बेहतर होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने धार जिले से डिजिटल माध्यम से भागीदारी की। वैष्णव ने कहा कि ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के तहत इन रेलखंडों पर परिचालन शुरू होने से लोगों को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। बेहतर रेल संपर्क से औद्योगिक विकास और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा एडवोकेट गिरफ्तार

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई एयरपोर्ट से एडवोकेट रशेष उपाध्याय उर्फ रशेष शाह को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामले में हुई है। अब तक इस मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। ईडी करीब 28,000 करोड़ के बैंकिंग लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी ने बताया कि गोवा पुलिस ने 9 जून 2025 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद जांच शुरू हुई।

कुछ ना कहना



खड़गे बोले- मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा

पटना में 'मोदी नहीं जाएंगे' कहने वाले शख्स को पीटा; शाह बोले- खड़गे ने मर्यादाएं तार-तार कीं

पटना। पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बापू सभागार में मोदी सरकार और उनकी नीतियों पर बोल रहे थे। तभी कांग्रेस का एक कार्यकर्ता उठकर बोला कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर खड़गे गुस्सा होकर बोले- मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा। यह बात उन्होंने 3 बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी, जिसने कहा था- मोदी नहीं जाने वाले। मल्लिकार्जुन खड़गे पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। खड़गे के बयान को गृह मंत्री अमित शाह ने मर्यादाएं तार-तार करने वाला बताया है।



जिसे पीटा गया, वह कांग्रेस का कार्यकर्ता

मोदी नहीं जाएंगे, कहने पर जिस शख्स को पीटा गया। वह कांग्रेस का ही कार्यकर्ता है। उसका नाम संतोष है। पिटाई के दौरान वहां मौजूद पुलिस वालों ने उसे बचाया और बाहर ले गई। संतोष ने मीडिया से कहा- खड़गे उनकी बात समझ नहीं पाए। मैंने कहा था शांत बैठने से मोदी नहीं जाएगा। राहुल समेत विपक्ष ने सभी बड़े नेताओं को यह बात समझनी होगी। मोदी तब ही जाएंगे, जब विद्रोह होगा।

शाह बोले- कांग्रेस रोज अमृता की सीमाएं पार कर रही है

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने ब्रूक के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हों। कभी उनकी माताजी के विषय में अपशब्द कहे, कभी उन्हें %मौत का सौदागर% कहा, तो कभी %चायवाला% कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार करती जा रही है। वहीं, बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी के पिता को अपशब्द बोलना दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे माफी मांगे।

भाजपा बोली- इनकी कार्यशैली माफियाओं जैसी

भाजपा ने X पर खड़गे का वीडियो शेयर करके लिखा- कभी जिस भाषा को गुंडे-मवालियों से जोड़ा जाता था, आज कांग्रेस अध्यक्ष उसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक माफिया गैंग प्रतीत होती है।

पटना में प्राथमिकी दर्ज

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह प्राथमिकी भाजपा नेता कृष्ण कुमार सिंह की ओर से दर्ज कराई गई है। शिकायत में खरगे पर पटना के बापू सभागार में कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के संबंध में कथित तौर पर अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

जामिया में चुनाव की मांग पर छात्रों का प्रदर्शन

विरोध-प्रदर्शन के बीच कैंपस के गेट बंद, स्ट्रूडेंट्स को रोकने पर विवाद, कई हिरासत में



नई दिल्ली। दिल्ली में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों का रविवार को भी छात्र, चुनाव की मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसके तहत अचानक सभी क्लास ऑनलाइन कर दी गईं। छात्रों का आरोप है कि यह कैंपस खाली कराने और स्टूडेंट यूनियन (छात्र संघ) को बहाल करने की उनकी मांग को दबाने की एक सोची-समझी चाल है। गेट नंबर 4 पर एंट्री पाबंदियों को लेकर पुलिस और छात्रों के बीच बहस हो गई। जिन छात्रों के पास कॉलेज के रेगुलर आईडी कार्ड तो थे, लेकिन हॉस्टल आईडी नहीं थी, उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। इधर, पुलिस ने जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ छात्रों को हिरासत में लिया है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शनिवार को घोषणा की कि अगले आदेश तक सभी कोर्स ऑनलाइन मोड में चलेंगे। इसके साथ ही लाइब्रेरी, कैंटीन और मुख्य प्रवेश द्वारों जैसी जरूरी सुविधाएं भी बंद कर दी गईं, जिससे छात्रों के लिए कैंपस में आना-जाना मुश्किल हो गया और जो छात्र कैंपस के अंदर थे, वे अलग-थलग पड़ गए।

12 अक्टूबर से जारी है प्रदर्शन

जामिया के छात्रों ने 12 अक्टूबर को प्रदर्शन और भूख हड़ताल शुरू की थी। वे छात्रों की यूनियन बहाल करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के शुरुआती दिनों में दिल्ली पुलिस ने कैंपस में तय प्रदर्शन स्थल से छात्रों को हटाने की कोशिश की थी। इसके बाद प्रदर्शन और बढ़ गया।

महंगी दवाएं बेचने पर कंपनियों पर 10 हजार करोड़ का जुर्माना, अब तक 1,582 करोड़ ही वसूले

नई दिल्ली। तय कीमत से अधिक दाम पर दवाएं बेचने वाली कंपनियों से केंद्र सरकार को अब भी 8,447.4 करोड़ रुपये वसूलने हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने ऐसी कंपनियों पर कुल 10,029.8 करोड़ रुपये की वसूली निर्धारित की थी, लेकिन अब तक केवल 1,582.4 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं। एनपीपीए दवाओं की कीमतों की निगरानी करने वाली सरकारी संस्था है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कंपनियां निर्धारित सीमा से अधिक कीमत पर दवाएं न बेचें। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बकाया राशि में से लगभग 5,800 करोड़ रुपये कानूनी विवादों में फंसे हैं। करीब 200 करोड़ रुपये की वसूली के मामले जिलाधिकारियों को भेजे गए हैं, जबकि 2,369.3 करोड़ रुपये की वसूली की प्रक्रिया जारी है। दवाओं की कीमतें आम लोगों के घरेलू बजट पर सीधा असर डालती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इलाज के कुल खर्च का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। ऐसे में निर्धारित कीमत से अधिक वसूली मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालती है। यदि कोई मेडिकल स्टोर दवा की निर्धारित कीमत से अधिक पैसे वसूलता है, तो उपभोक्ता टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-11-1255 पर शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा फार्मा सही दाम ऐप या एनपीपीए की वेबसाइट पर कन्ज्यूमर कम्प्लेंट विकल्प के जरिए भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

सॉफ्टवेयर, ऐप या एआई टूल का नाम बताने से आयोग ने किया इनकार

13 करोड़ वोटरों के नाम हटाने वाले चुनाव आयोग से पूछे सवाल

करीम नगर। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के तहत देश भर में 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए जाने को लेकर जारी भारी विवाद के बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का एक नया रुख सामने आया है। चुनाव आयोग ने आरटीआई (सूचना का अधिकार) के तहत उस सॉफ्टवेयर, ऐप या एआई टूल का नाम और संस्करण बताने से साफ इनकार कर दिया है, जिसका इस्तेमाल वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों को पकड़ने में किया गया था। आयोग ने तर्क दिया है कि यह जानकारी कमर्शियल कॉन्फिडेंस, ट्रेड सीक्रेट और आईपी से जुड़ी है और आरटीआई कानून की धारा 8(1)(डी) के तहत इसे छूट प्राप्त है।

यह आरटीआई आवेदन तेलंगाना के करीमनगर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एम. ए. मुजीब अय्यूब की तरफ से दाखिल किया गया था। उन्होंने चुनाव आयोग से कई तीखे सवाल पूछे थे, जिनमें वोटर डेटा में गड़बड़ियों को पकड़ने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर या एआई प्लेटफॉर्म का नाम, क्या यह सिस्टम नाम हटाने के लिए ऑटोमेटिकली फ्लैग करता है और किसी वैध मतदाता का नाम गलती से न कटे इसके लिए क्या सुरक्षा इंतजाम हैं, साथ ही फ्लैग की गई गड़बड़ियों की समीक्षा कौन सा अधिकारी करता है, शामिल थे। 16 अक्टूबर को दिए अपने आधिकारिक जवाब में, चुनाव आयोग ने धारा 8(1)(डी) का हवाला देते हुए कहा कि सॉफ्टवेयर का नाम या संस्करण उजागर करने से किसी थर्ड पार्टी की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंच सकता है। यह पूछे जाने पर कि नाम काटने की समीक्षा कौन करता है, आयोग ने धारा 8(1)(जी) का हवाला दिया, जो किसी व्यक्ति के जीवन या शारीरिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाली जानकारी को रोकने से जुड़ी है। ईसीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईआर के लिए कोई नया सॉफ्टवेयर नहीं खरीदा गया है और जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 13बी के तहत, संबंधित विधानसभा क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ही तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर नाम जोड़ने या हटाने का वैधानिक अधिकारी है।

आरटीआई के इस जवाब पर भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ. पी. रावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यह एक कानूनी मामला है और आवेदक को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष प्रथम अपील दाखिल करनी चाहिए, ताकि चुनाव आयोग जिन सवालों के जवाब देने से बच रहा है, उनके जवाब मांगे जा सकें।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2027 - 10वीं और 12वीं की डेटशीट जल्द होगी जारी

नई दिल्ली। लाखों छात्रों का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है, क्योंकि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा 2027 की डेटशीट किसी भी समय जारी कर सकता है। उम्मीद है कि यह परीक्षा कार्यक्रम नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत तक आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगा। परीक्षाएं आमतौर पर फरवरी से अप्रैल के बीच आयोजित की जाती हैं, ऐसे में छात्र अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने से पहले परीक्षा कार्यक्रम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सीबीएसई बोर्ड के अलावा 28 से अधिक देशों में 250 से ज्यादा स्कूलों का संचालन करता है, जिनमें मध्य पूर्व के देश जैसे दुबई, कतर, ओमान, सऊदी अरब और सिंगापुर प्रमुख हैं। इतने बड़े पैमाने पर बिना किसी टकराव के एक सुचारु डेटशीट तैयार करना एक जटिल और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। बोर्ड की विशेषज्ञ टीम डेटशीट बनाते समय कई महत्वपूर्ण बिंदुओं का ध्यान रखती है। सबसे पहले, यह सुनिश्चित किया जाता है कि किसी भी छात्र के दो पेपर एक ही दिन न पड़ें, खासकर 12वीं कक्षा में जहां विभिन्न विषयों के संयोजन होते हैं। इसके अतिरिक्त, भौतिकी (फिजिक्स), गणित और लेखाशास्त्र (अकाउंटेंसी) जैसे कठिन विषयों के बीच छात्रों को तैयारी और पुनरावृत्ति के लिए 3 से 5 दिनों का पर्याप्त अंतर दिया जाता है।

देवास में जहरीली शराब से मौतों के दावों की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित

देवास। मध्यप्रदेश के देवास जिले में कथित जहरीली शराब से करीब 10 लोगों की मौत के दावों के बाद उज्जैन संभागायुक्त ने पांच सदस्यीय जांच दल गठित किया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह दल मौतों के कारणों और उनसे जुड़े प्रशासनिक एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जांच कर 15 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपेगा।

जांच दल की अध्यक्षता उज्जैन के अतिरिक्त जिलाधिकारी प्रथम कौशिक करेंगे। इसमें मंदसौर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा, रतलाम के एसडीओपी लेखराज मीणा, संभागीय उड़नदस्ते के उप आबकारी आयुक्त हर्षवर्धन राय और स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय संचालक डॉ. दीपक कुमार पिप्पल को सदस्य बनाया गया है। दल को निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि 27 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच जहरीली शराब पीने से कम से कम 10 लोगों की मौत हुई। हालांकि, जिला प्रशासन ने पहले इन दावों को भ्रामक बताया था। बाद में प्रशासन ने पुष्टि की कि दो मृतकों के विसरा नमूने जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकते हैं। प्रशासन के अनुसार, चंदाना गांव में एक से 15 अक्टूबर के बीच 10 लोगों की मौत हुई, लेकिन इनका कारण जहरीली शराब होना प्रमाणित नहीं हुआ है। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने क्षेत्रों में 22 लोगों की मौत तथा 40 लोगों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने का दावा कर दिया है। उन्होंने प्रशासन पर मामले को दबाने का आरोप लगाया है। जांच रिपोर्ट से इन दावों की वास्तविकता स्पष्ट होने की उम्मीद है।

60 हजार सुरक्षा स्वयंसेवक तैयार करेगा गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। आपात स्थितियों और आपदाओं से निपटने की तैयारी मजबूत करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय भारतीय सेना के सहयोग से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 60 हजार स्वयंसेवकों का नागरिक सुरक्षा नेटवर्क तैयार करेगा। इस उद्देश्य से एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की जाएगी।

गृह मंत्रालय के अनुसार, योजना के पहले चरण में संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिक सुरक्षा मास्टर प्रशिक्षकों को तीन दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से 50 प्रशिक्षकों के हिसाब से कुल 600 मास्टर प्रशिक्षकों को भारतीय सेना के निर्धारित प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षक आगे स्वयंसेवकों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस पहल का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाना और आपात परिस्थितियों में स्थानीय स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में आधुनिक प्रणालियों, उन्नत तकनीक और आपात स्थितियों से निपटने की बेहतर तैयारी से लैस सशक्त नागरिक सुरक्षा नेटवर्क बनाने की परिकल्पना प्रस्तुत की थी। गृह मंत्रालय की यह पहल इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रस्तावित नेटवर्क के माध्यम से नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और संकट के समय प्रशासन की सहायता के लिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा।

हिदायत/ईएमएस 25अक्टूबर26

झांसी में सड़क जाम और हंगामे के आरोप में पांच किन्नर गिरफ्तार, केस दर्ज

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में बधाई मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद सड़क पर हंगामा करने और यातायात बाधित करने के आरोप में पुलिस ने पांच किन्नरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुष्का उर्फ अभिषेक, पूजा, नयनतारा रशियन, ममता और महावीरन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इनके खिलाफ बलवा, लोक सेवक को चोट पहुंचाने, सरकारी काम में बाधा डालने, सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने, अश्लील हरकत और निषेधाज्ञा के उल्लंघन से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, तीन दिन पहले शिवाजी नगर क्षेत्र में बधाई मांगने को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। इसके बाद एक पक्ष थाने पहुंचा और बबली नामक किन्नर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर हंगामा किया। इस दौरान कुछ लोगों ने फिनाइल पीने का प्रयास भी किया था। बताया गया कि मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर पांच किन्नर शनिवार शाम इलाईट-कचहरी मार्ग पर पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने सड़क पर प्रदर्शन किया, पुलिस के खिलाफ अश्लील हरकतें कीं और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की कोशिश की।

आदेश की अवहेलना पर एसएसपी को कोर्ट ने दी 4 घंटे खड़े रहने की सजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शादी का झांसा देकर जमानत हासिल करने और बाद में अपने वादे से मुकरने वाले एक आरोपी की जमानत तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए उसे हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद आरोपी को सीधे अदालत में पेश न करने पर मेरठ के एसएसपी को कोर्ट रूम में शाम 4 बजे तक खड़े रहने की सजा दी गई है, जबकि मेरठ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशासनिक जांच के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने यह कड़ा आदेश जमानत निरस्तीकरण अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया। यह मामला मेरठ के सरधना थाने में दर्ज एक मुकदमे से जुड़ा है, जहां हाईकोर्ट ने बीते 18 मार्च को एक आरोपी को इस शर्त पर जमानत दी थी कि वह पीड़िता से विवाह करेगा। हालांकि, जेल से बाहर आने के बाद आरोपी अपने लिखित वादे से पूरी तरह मुकर गया। शनिवार को सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने आरोपी से पूछा, तो उसने पीड़िता से शादी करने से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद न्यायालय ने उसकी जमानत तत्काल रद्द कर दी। इस प्रकरण में मुख्य विवाद तब सामने आया जब यह पता चला कि हाईकोर्ट ने 28 सितंबर को आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर मेरठ के एसएसपी को स्पष्ट निर्देश दिया था कि आरोपी को सीधे हाईकोर्ट में पेश किया जाए। वारंट तामील होने के बावजूद पुलिस ने आरोपी को हाईकोर्ट लाने के बजाय सीजेएम मेरठ की अदालत में पेश कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सुनवाई के दौरान एसएसपी ने अदालत को बताया कि वे 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक अवकाश पर थे और यह चूक उनके अधीनस्थों से हुई।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, 18 गिरफ्तार; 100 करोड़ के हवाला लेन-देन का खुलासा

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क के खिलाफ ऑपरेशन ट्राइडेंट चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। 23 अक्टूबर को असम, मिजोरम और मणिपुर में एक साथ 38 ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस अभियान में अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कार्रवाई के दौरान करीब 100 करोड़ रुपये के संदिग्ध हवाला लेन-देन का खुलासा हुआ। जांच एजेंसियों ने नेटवर्क से जुड़े 1,424 बैंक खाते फ्रीज किए और 17.82 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त करने की कार्रवाई की। इसके अलावा 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह नेटवर्क भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के बीच सक्रिय था। म्यांमार से मेथामफेटामाइन और हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी कर पूर्वोत्तर के रास्ते देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाए जाने की जानकारी सामने आई है। कार्रवाई में केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिजोरम पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय भी शामिल रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अभियान की सफलता पर एजेंसियों और तीनों राज्यों की पुलिस की सराहना की।

भक्ति के रंग में रंगा बालाघाट भव्य शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महावीर भवन से निकली आकर्षक झांकियों से सजी शोभायात्रा ने मोहा मन, आचार्य विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर 3 दिवसीय महोत्सव में धर्म, संस्कार और संस्कृति का संगम, धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आज होगा महोत्सव का समापन





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर बालाघाट में रविवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय गुरु अवतरण दिवस महोत्सव के दूसरे दिन महावीर भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आकर्षक झांकियों, धार्मिक प्रस्तुतियों और गुरु भक्ति से ओतप्रोत वातावरण ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शहर के प्रमुख मार्गों से निकली शोभायात्रा में जैन धर्म की गौरवशाली परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और संस्कारों की अनुपम झलक देखने को मिली। महोत्सव के माध्यम से जहां गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जा रही है, वहीं धर्म, संस्कृति, सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का संदेश भी दिया जा रहा है।

रोजाना हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन

श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी बालाघाट एवं श्री सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में 24 से 26 अक्टूबर तक महावीर भवन में आयोजित इस महोत्सव में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, अभिषेक, शांतिधारा, आचार्य श्री की पूजन, मंगल प्रवचन, भक्ति संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चल रही है। आयोजन में मुनिश्री 108 विरागसागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 निस्संगसागर जी महाराज का मंगल सानिध्य प्राप्त हो रहा है। महोत्सव में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु सहभागिता कर गुरु भक्ति और धर्म आराधना में लीन हैं।

शरद पूर्णिमा पर निकली भव्य शोभायात्रा, झांकियों ने खींचा आकर्षण

महोत्सव के दूसरे दिन रविवार सुबह से ही महावीर भवन में धार्मिक उत्साह का वातावरण रहा। सुबह 7:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा पूजन के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। इसके बाद सुबह 8 बजे महापात्र की स्थापना और 8:30 बजे आचार्य भगवान की भव्य पूजन संपन्न हुई। सुबह 9:15 बजे महावीर भवन से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः महावीर भवन पहुंची। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों और धार्मिक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। गुरु भक्ति से सराबोर श्रद्धालुओं की सहभागिता ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। शोभायात्रा के पश्चात भी महावीर भवन में दिनभर धार्मिक गतिविधियों का सिलसिला जारी रहा। मुनिश्री के मंगल सानिध्य में धर्म और अध्यात्म से जुड़े कार्यक्रम संपन्न हुए। आहारचर्या के साथ गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं शाम को भक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं ने गुरु भक्ति और धर्म आराधना में सहभागिता की।

पहले दिन धार्मिक अनुष्ठान और बच्चों की संस्कारमय प्रस्तुतियों ने बांधा समां

तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ शनिवार 24 अक्टूबर को धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ था। प्रथम दिन प्रातः 7:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा पूजन, 8:45 बजे आचार्य श्री की पूजन और 9 बजे पूज्य मुनिश्री के मंगल प्रवचन हुए। इसके बाद आहारचर्या संपन्न हुई। शाम को भक्ति एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। आचार्य ज्ञानसागर पाठशाला के बच्चों ने संस्कारमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक परंपराओं, नैतिक मूल्यों और गुरु भक्ति के महत्व को रेखांकित किया गया।

3 दिवसीय कार्यक्रमों का समापन आज,

तीन दिवसीय गुरु अवतरण दिवस महोत्सव का समापन सोमवार 26 अक्टूबर को विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होगा। अंतिम दिन सुबह 7 बजे अभिषेक, शांतिधारा एवं आचार्य श्री की पूजन की जाएगी। इसके पश्चात धार्मिक प्रभावना, मंगल प्रवचन, आहारचर्या, भक्ति और शंका समाधान जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। रात्रिकालीन आयोजन में बालिका मंडल द्वारा संस्कारमय प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बच्चों के पालन-पोषण, नामकरण संस्कार, बाल क्रीड़ा और गुरु भक्ति जैसे विषयों पर आधारित कार्यक्रमों के जरिए पारिवारिक मूल्यों और धार्मिक संस्कारों का संदेश दिया जाएगा। आचार्य ज्ञानसागर पाठशाला एवं बालिका मंडल के प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया जाएगा।

वात्सल्य भोज के जरिए सामाजिक एकता और सहभागिता का संदेश

महोत्सव में धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक सहभागिता को भी विशेष महत्व दिया गया है। श्रद्धालुओं के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई है, जिसमें समाज के विभिन्न परिवारों, महिला मंडलों, पाठशाला के सदस्यों और धर्मप्रेमियों का सहयोग मिल रहा है। आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक आराधना तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, वात्सल्य, सेवा, समर्पण और सद्भाव की भावना को मजबूत करना भी है। तीन दिवसीय महोत्सव बालाघाट में धर्म, संस्कार और संस्कृति के समन्वय का संदेश दे रहा है।

चौथी ईएम्फा कप चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने जीते पदक 150 से 200 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

चयनित खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी (ईएम्फा) द्वारा नगर रविवार को नगर के सिंधु भवन, में चौथी ईएम्फा कप चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए लगभग 150 से 200 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान कराते और पेंचक सिलाट जैसे मार्शल आर्ट खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीकी कौशल, अनुशासन एवं आत्मरक्षा की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के डायरेक्टर प्रवीण नन्हेट ने प्रतियोगिता के



संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि एकेडमी द्वारा प्रतिवर्ष जिले में मार्शल आर्ट से जुड़े खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है ईएम्फा कप चैंपियनशिप के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने और भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है।

आत्मरक्षा और मार्शल आर्ट को बढ़ावा देना मुख्य उद्देश्य

प्रवीण नन्हेट ने बताया कि कराते और पेंचक सिलाट जैसे खेल केवल शारीरिक क्षमता विकसित करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये आत्मरक्षा, मानसिक मजबूती, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में बच्चों एवं युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ द्वारा निरंतर प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।इस चैंपियनशिप में विभिन्न जिलों एवं एकेडमियों से आए खिलाड़ियों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, खेल भावना और अनुशासन के साथ भाग लिया। इस आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को अन्य जिलों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अपनी तकनीक एवं प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिला।

चयनित खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में करेंगे सहभागिता

बताया गया कि प्रतियोगिता का एक प्रमुख उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं चयनित खिलाड़ी आगामी आयोजनों में भाग लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त करेंगे। इससे बालाघाट जिले में कराते और पेंचक सिलाट जैसे खेलों को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

जिले में मार्शल आर्ट के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

चौथी ईएम्फा कप चैंपियनशिप का आयोजन बालाघाट जिले में मार्शल आर्ट खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। इस प्रकार के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने, नए अनुभव प्राप्त करने और भविष्य में उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की प्रेरणा मिलती है।एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक बच्चे एवं युवा खेलों से जुड़ें, आत्मरक्षा के प्रति जागरूक बनें और अपनी मेहनत एवं प्रतिभा के बल पर जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान करते हुए बालाघाट में मार्शल आर्ट के प्रति उत्साह को और मजबूत किया।

अतिथियों की उपस्थिति ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष एल.सी. पिपलेवार, शिक्षा व, एकल अभियान के जिला अध्यक्ष गौरव दुबे जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेल, आत्मरक्षा और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया कार्यक्रम में विभिन्न जिलों एवं एकेडमियों से आए कोच, मैनेजर, रेफरी, जज और खेल अधिकारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के सफल संचालन में छाया नरवास, अंजली गोंडुडे, साहिल गोंडुडे, गणेश बुडे, सारून सोनवाने, साहिल सोनवाने, राजा सर, हर्षित सर, आदित्य सर, संगीता मराठा, श्रुति भलावी, कार्तिक तितरमारे, अभिषेक सर, आर्यन नन्हेट एवं तृपित बिसेन सहित अन्य खेल पदाधिकारियों एवं सहयोगियों ने योगदान दिया।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की कटंगी और बैहर में छापामार कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट की टीम द्वारा 23 अक्टूबर को कटंगी तथा 24 अक्टूबर को बैहर नगर में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की गई। इस दौरान शहद, खोवा, रसगुल्ला, कलाकंद, पेड़ा, बर्फी, खाद्य रंग, सोया बड़ी और मसूर दाल सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं, एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री मिलने पर उसे नष्ट कराया गया तथा साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए। कटंगी नगर में शिकायत के आधार पर डीबी मार्ट में



बिक रहे झंडू कंपनी के शहद की जांच के लिए नमूना लिया गया। इसके साथ ही टाटा कंपनी के शहद का नमूना भी जांच के लिए लिया गया। बस स्टैंड स्थित वाघाड़े होटल में गंदगी और अस्वच्छता पाए जाने पर प्रकरण बनाया गया। नगर पालिका परिसर स्थित नेमा स्वीट्स का निरीक्षण कर संचालक को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैहर नगर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने जय साइकिल स्टोर्स मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट की दुकान एवं स्टोर का निरीक्षण किया। स्टोर में खाद्य सामग्री के रखरखाव में अव्यवस्था पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया। यहां से खोवा एवं रसगुल्ला के नमूने जांच के लिए लिए गए। बस स्टैंड स्थित खेतेश्वर राजस्थान स्वीट्स से कलाकंद एवं पेड़ा के नमूने लिए गए। वहीं, किराना लाइन स्थित कदम स्वीट्स की रसोई में अस्वच्छता पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया तथा नारियल लड्डू, पेड़ा और बर्फी के नमूने जांच के लिए लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा बस स्टैंड स्थित जय साइकिल मार्ट में रैपिड किट के माध्यम से खोवा, पनीर एवं दूध की प्रारंभिक जांच भी की गई। मौके पर जांचे गए नमूनों में किसी प्रकार की प्रारंभिक अनियमितता नहीं पाई गई। किराना लाइन गुजरी स्थित साईं किराना स्टोर की जांच के दौरान एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री मिलने पर लगभग चार हजार रुपये मूल्य की सामग्री नष्ट कराई गई। यहां से खाद्य रंग के दो नमूने भी जांच के लिए लिए गए। मनीष किराना स्टोर्स के निरीक्षण के दौरान सोया बड़ी एवं मसूर दाल के नमूने लिए गए। इसके अतिरिक्त अन्य छोटे-बड़े खाद्य प्रतिष्ठानों में पंजीयन एवं साफ-सफाई की स्थिति की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कुमार डोंगरे एवं गीता डोडेकर ने बताया कि सभी संग्रहित नमूनों की जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं में निर्धारित सुधार नहीं किए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

जिला तेली साहू समाज की बैठक सम्पन्न, प्रतिभा सम्मान समारोह की रूपरेखा पर मंथन

महकेपार के पीड़ित परिवार को सहायता पहुंचाने के लिए समाजजन करेंगे पहल

समाज की एकजुटता पर जोर, कार्यकारिणी विस्तार से लेकर पीड़ित परिवार की मदद तक बनी रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समाज की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और जरूरतमंद परिवारों की मदद करना सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी भावना के साथ जिला तेली साहू समाज बालाघाट की सामाजिक बैठक रविवार 25 अक्टूबर को अंबेडकर चौक स्थित कमला नेहरू हॉल में आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मानवटकर की अध्यक्षता में हुई बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार, कार्यकारिणी के पुनर्गठन, प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं व्यक्तियों के सम्मान समारोह और महकेपार के पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में समाज की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने, सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने और आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया गया।





संगठन की मजबूती के लिए कार्यकारिणी विस्तार पर मंथन

बैठक में जिला तेली साहू समाज की कार्यकारिणी के विस्तार एवं पुनर्गठन को लेकर चर्चा की गई। समाज की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित करने, अधिक से अधिक समाजजनों को संगठन से जोड़ने और सामूहिक सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर विचार रखे गए। उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिल-जुलकर कार्य करने तथा सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने पर जोर दिया। बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि समाज के हितों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए संगठन की भूमिका को और प्रभावी बनाया जाए।

प्रतिभाओं को सम्मानित करने की बनेगी रूपरेखा

समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों को उचित मंच देने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन पर भी चर्चा हुई। बैठक में समारोह की रूपरेखा तैयार करने तथा समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करने के विषय पर विचार-विमर्श किया गया। समाजजनों का मानना रहा कि प्रतिभाओं का सम्मान न केवल उनका उत्साह बढ़ाता है, बल्कि नई पीढ़ी को शिक्षा, मेहनत और बेहतर उपलब्धियों के लिए प्रेरित भी करता है। इस तरह के आयोजन सामाजिक जुड़ाव बढ़ाने के साथ समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महकेपार के पीड़ित परिवार की मदद के लिए पहल

बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय महकेपार के पीड़ित परिवार को सहायता राशि उपलब्ध कराना रहा। इस संबंध में पीड़ित परिवार तक पहुंचकर सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से महकेपार जाने पर चर्चा की गई। समाजजनों ने जरूरत के समय पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में इस पहल को समाज के मानवीय दायित्वों से जोड़ते हुए आपसी सहयोग और समन्वय के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया गया।

समाजहित में एकजुट होकर काम करने का संकल्प

बैठक में समाज के संरक्षक नारायण मदनकर, सचिव संतोष समरीते, कोषाध्यक्ष गोदान लांजेवार, सह-सचिव प्रमेन्द्र मानवटकर, कटंगी अध्यक्ष संजय बडवाइक सहित अरुण सेलोकर, कन्हैया हटवार, गणपत अंबिलकर, संतोष अंबिलकर, लालचंद नौखरे, संजय मदनकर, जितेंद्र धावड़े, जयराम कावड़े एवं दिनेश मदनकर सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।बैठक में संगठनात्मक विकास, प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और जरूरतमंद परिवारों की सहायता जैसे विषयों पर सकारात्मक चर्चा के साथ सामाजिक एकता को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया। समाजजनों ने आपसी सहयोग, समन्वय और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता जताई।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध



निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 26 अक्टूबर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया संसद भवन घेरने का एलान

1 से 3 दिसंबर में दिल्ली में होंगा बड़ा आंदोलन, 50 से अधिक कार्यकर्ताओं के दिल्ली पहुंचने की तैयारी, स्कूलों की तर्ज पर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आंगनबाड़ी संचालन की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याएं एक बार फिर आंदोलन की राह पर जाती दिखाई दे रही हैं। समय पर वेतन भुगतान नहीं होने, केंद्र सरकार की घोषित राशि का लाभ नहीं मिलने, काम के निर्धारित समय और विभागीय स्तर पर कथित कमीशन मांगने जैसी शिकायतों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एकता यूनियन ने मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। रविवार को धर्मशाला में आयोजित बैठक में यूनियन ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो दिसंबर में दिल्ली पहुंचकर संसद भवन का घेराव किया जाएगा। इस प्रस्तावित आंदोलन में बालाघाट जिले की 50 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शामिल करने की रणनीति पर चर्चा हुई। यूनियन ने आंगनबाड़ी संचालन का समय स्कूलों की तर्ज पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित करने और प्रत्येक महीने की पहली तारीख को वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई है।

कमीशन मांगने के आरोपों से विभागीय व्यवस्था पर उठाए सवाल

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एकता यूनियन की बैठक में कार्यकर्ताओं को मैदानी स्तर पर आ रही परेशानियों के साथ विभागीय कामकाज से जुड़ी शिकायतों पर भी चर्चा हुई। यूनियन की ओर से आरोप लगाया गया कि आंगनबाड़ी को विभिन्न विभागों से मिलने वाली राशि के मामले में कुछ सुपरवाइजर और अधिकारी कथित तौर पर कमीशन की मांग करते हैं। कार्यकर्ताओं की ओर से उठाए गए इस मुद्दे को बैठक में गंभीरता से लिया गया और ऐसी शिकायतों पर उचित जांच तथा कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है। यूनियन का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन और योजनाओं के क्रियान्वयन में कार्यकर्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना चाहिए। जिन कार्यकर्ताओं पर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को जमीन पर लागू करने की जिम्मेदारी है, उन्हें पारदर्शी व्यवस्था और समय पर आर्थिक भुगतान मिलना जरूरी है।

सुबह पौने नौ बजे से ड्यूटी पर पहुंचने की व्यवस्था बदलने की मांग

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई। यूनियन अध्यक्ष अंजली बिसेन ने मांग रखी कि वर्तमान में सुबह पौने नौ बजे से संचालित होने वाली व्यवस्था में बदलाव कर आंगनबाड़ी का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाए। उनका कहना है कि आंगनबाड़ी के समय को स्कूलों की समय-सारणी के अनुरूप निर्धारित किया जाना चाहिए, ताकि कार्यकर्ताओं को निर्धारित समय में काम करने की सुविधा मिल सके। यूनियन ने इस मांग को कार्यकर्ताओं की दिनचर्या और कामकाज से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताते हुए संबंधित स्तर पर विचार करने की आवश्यकता जताई। बैठक में कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों



और कार्य की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर समय निर्धारण किया जाना चाहिए।

हर महीने की पहली तारीख को वेतन भुगतान हो सुनिश्चित

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रमुख मांगों में समय पर मानदेय का भुगतान भी शामिल है। यूनियन ने मांग की कि कार्यकर्ताओं को हर महीने की पहली तारीख को वेतन दिया जाए, ताकि उन्हें घरेलू खर्चों और अन्य आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में परेशानी न हो। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि कार्यकर्ताओं को नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना पड़ता है, लेकिन भुगतान में देरी होने से उनके सामने आर्थिक मुश्किलें खड़ी होती हैं। यूनियन ने वेतन भुगतान की एक निश्चित व्यवस्था लागू करने की मांग करते हुए कहा कि महीने की पहली तारीख को भुगतान सुनिश्चित करना कार्यकर्ताओं के हित में महत्वपूर्ण कदम होगा।

केंद्र की घोषित राशि और एरियर्स का मुद्दा भी उठा

बैठक की अध्यक्षता कर रहीं अंजली बिसेन ने बताया कि केंद्र सरकार की घोषणाओं के अनुरूप आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलने वाली राशि अब तक नहीं मिली है उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बकाया एरियर्स और अन्य देय राशि का मामला भी उनके लिए महत्वपूर्ण है। यूनियन अध्यक्ष के अनुसार, हाईकोर्ट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एरियर्स सहित राशि दिए जाने के आदेश के बाद केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई है। इस कानूनी प्रक्रिया और राशि के भुगतान को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चिंता बनी हुई है। यूनियन का कहना है कि लंबे समय से लंबित आर्थिक मांगों पर समाधान निकलना चाहिए, ताकि कार्यकर्ताओं को उनका अधिकार मिल सके। इसी मुद्दे को प्रस्तावित दिल्ली आंदोलन में प्रमुखता से उठाने की तैयारी की जा रही है।

दिसंबर में संसद घेराव की तैयारी, जिले से 50 से अधिक कार्यकर्ता होंगी शामिल

रविवार की बैठक का प्रमुख एजेंडा आगामी दिसंबर में प्रस्तावित संसद घेराव की रणनीति तय करना रहा। यूनियन ने चर्चा की कि यदि मांगों पर संतोषजनक पहल नहीं होती है, तो कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करेंगी। बैठक में जिले से 50 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंदोलन में शामिल करने की तैयारी पर विचार किया गया। अध्यक्ष अंजली बिसेन के अनुसार, आंदोलन के माध्यम से वेतन भुगतान, केंद्र की घोषित राशि, एरियर्स और कार्य संबंधी समस्याओं को उठाया जाएगा। यूनियन की कोशिश है कि जिले की कार्यकर्ता एकजुट होकर अपनी मांगें संबंधित स्तर तक पहुंचाएं। बैठक में आंदोलन की तैयारियों के साथ कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने और उनकी समस्याओं को संगठित तरीके से उठाने पर जोर दिया गया।

सांसद भारती पारधी से मुलाकात नहीं होने पर जताई नाराजगी

बैठक में सांसद भारती पारधी से मुलाकात का विषय भी उठा। यूनियन के अनुसार, रविवार को सांसद को ज्ञापन सौंपने के लिए समय निर्धारित हुआ था, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि सांसद दिल्ली चली गई हैं। इसके चलते कार्यकर्ता अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत नहीं करा सकीं। अध्यक्ष अंजली बिसेन ने कहा कि यूनियन आगामी समय में सांसद से मुलाकात कर कार्यकर्ताओं की मांगों और परेशानियों से अवगत कराएगी। यूनियन चाहती है कि जनप्रतिनिधि उनके मुद्दों को संबंधित मंच पर उठाएं और समस्याओं के निराकरण के लिए पहल करें।

समस्याओं के समाधान तक संघर्ष जारी रखने की तैयारी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एकता यूनियन की बैठक में कार्यकर्ताओं की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के साथ संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया गया। यूनियन का कहना है कि कार्यकर्ताओं की मांगों में केवल आर्थिक भुगतान ही नहीं, बल्कि काम के समय में बदलाव, विभागीय व्यवस्था में पारदर्शिता और कार्य के दौरान आने वाली परेशानियों का समाधान भी शामिल है। बैठक में तय किए गए मुद्दों को आगे संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाने की तैयारी है। दिसंबर में संसद घेराव का प्रस्ताव इसी संघर्ष की अगली कड़ी माना जा रहा है।

लोकार्पण के एक माह बाद ही थम गई सतपुड़ा एक्सप्रेस

चालक के छुट्टी पर चले जानने से हुई हैं ट्राई ट्रेन बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के मोती उद्यान में बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए शुरू की गई ट्राई ट्रेन सतपुड़ा एक्सप्रेस इन दिनों बंद पड़ी है। नगर पालिका द्वारा 20 सितंबर को इसका लोकार्पण किया गया था, लेकिन करीब एक माह बाद ही ट्रेन का संचालन



रुकने से तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कोई ट्रेन के खराब होने की बात कह रहा है, तो कोई लाखों रुपये खर्च कर शुरू की गई सुविधा के बंद होने पर सवाल उठा रहा है। इन चर्चाओं के बीच 25 अक्टूबर को नगर पालिका की उद्यान शाखा के प्रभारी प्रभात राहांगडाले ने दूरभाष पर स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि ट्रेन में कोई तकनीकी खराबी होने के कारण इसे बंद नहीं किया गया है, बल्कि इसका चालक व्यक्तिगत कारणों से अवकाश पर है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए किसी अन्य रीर-तकनीकी व्यक्ति से ट्रेन का संचालन नहीं कराया जा सकता। इसी वजह से फिलहाल छह दिनों के लिए ट्रेन का संचालन रोकना पड़ा है। उद्यान शाखा प्रभारी के अनुसार, ट्रेन चलाने के लिए प्रशिक्षित चालक की तलाश की जा रही है। यदि जल्द ही वैकल्पिक प्रशिक्षित चालक उपलब्ध हो जाता है, तो ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू किया जा सकता है। वहीं, यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो पुराने चालक के अवकाश से लौटने के बाद ट्रेन को पूर्व निर्धारित समय के अनुसार फिर से शुरू कर दिया जाएगा। नगर पालिका की ओर से दी गई इस जानकारी के बाद ट्रेन बंद होने को लेकर चल रही अटकलों पर स्थिति कुछ हद तक स्पष्ट हुई है, लेकिन यह सवाल अब भी बना हुआ है कि बच्चों के मनोरंजन के लिए शुरू की गई इस सुविधा को दोबारा चालू करने में कितना समय लगेगा। सार्वजनिक उद्यान में संचालित ऐसी सुविधा के लिए चालक की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है, ताकि किसी एक कर्मचारी के अवकाश पर जाने से पूरी व्यवस्था ठप न हो। 25 अक्टूबर को मोती उद्यान पहुंचे कुछ स्थानीय नागरिकों और वार्डवासियों ने भी ट्रेन बंद होने पर निराशा जताई। स्थानीय निवासी संध्या राहांगडाले सहित अन्य लोगों का कहना था कि वे अपने बच्चों को घुमाने और मनोरंजन के लिए उद्यान लेकर आते हैं, लेकिन ट्रेन बंद होने से बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि प्रशिक्षित चालक की व्यवस्था जल्द की जाए और सतपुड़ा एक्सप्रेस का संचालन दोबारा शुरू कराया जाए। अब देखना होगा कि नगर पालिका वैकल्पिक चालक की व्यवस्था कितनी जल्दी कर पाती है और बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनी यह ट्रेन कब फिर से पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी।

दानवीर मुलना साहब की 158वीं जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

जनप्रतिनिधियों और पारसी समाज के लोगों ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। अपनी संपत्ति और संसाधनों को जनकल्याण के लिए समर्पित कर बालाघाट के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दानवीर दीवान बहादुर मानेकजी मेरवानजी मुलना साहब की 158वीं जयंती पर 25 अक्टूबर को उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। मुलना खेल परिसर समिति द्वारा मुलना साहब के समाधि स्थल परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और पारसी समाज के प्रतिनिधियों ने उनकी समाधि पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन, व्यक्तित्व, उदारता और जनसेवा के कार्यों को स्मरण करते हुए कहा कि मुलना साहब ने अपनी संपत्ति का उपयोग निजी सुख-सुविधाओं के बजाय समाज और शहर के विकास के लिए किया। उनके योगदान से जुड़ी संस्थाएं और सुविधाएं आज भी बालाघाट के इतिहास में उनके सेवाभाव की गवाही देती हैं। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, किरणभाई त्रिवेदी, अभय सेठिया, महेंद्र सुराना, तपेश असाटी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश तुरकर, सुभाष गुप्ता और यूनुस खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मुलना साहब के बालाघाट आगमन और उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया। बताया गया कि मुलना साहब पारसी समाज से थे और उन्होंने विवाह नहीं किया था। वे हट्टा के जमींदार स्वर्गीय चंदनभाऊ नागपुरे के वारिसाना संबंधी मामले के सिलसिले में बालाघाट आए थे। इस मामले में लंबी न्यायालयीन लड़ाई के बाद उन्हें लंदन की अदालत से अपने पक्ष में निर्णय मिला। इसके बाद जमींदार की ओर से तीन गांव उनके नाम किए जाने का उल्लेख भी वक्ताओं ने किया। बताया गया कि मुलना साहब ने इन गांवों की भूमि बेचकर बालाघाट शहर में जमीन खरीदी और यहीं बस गए। समय के साथ उन्होंने अपनी संपत्ति का उपयोग शहर के विकास और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया। वक्ताओं के अनुसार, उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि संपत्ति का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका उपयोग समाज के व्यापक हित में किया जाए। मुलना साहब के योगदानों की चर्चा करते हुए वक्ताओं ने पॉलिटेक्निक कॉलेज, मुलना स्टेडियम और वाटर फिल्टर प्लांट का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों और सुविधाओं से जुड़ी



उनकी दानशीलता ने बालाघाट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसी कारण आज भी उन्हें सम्मानपूर्वक याद किया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि मुलना साहब की जनसेवा की भावना नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है और उनके योगदान को केवल जयंती पर श्रद्धांजलि देने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को भी आगे बढ़ाना चाहिए। नागपुर से आए पारसी समाज के प्रतिनिधि डूंगा जी, पटेल जी और श्रीमती खुर्शीद जी सहित अन्य अतिथियों ने भी समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पारसी समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि बालाघाट के लोग आज भी मुलना साहब के योगदान को याद कर उन्हें सम्मान देते हैं, यह सराहनीय है। उन्होंने आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर वर्ष पारसी समाज के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर सम्मान दिया जाना उनके लिए महत्वपूर्ण है। पारसी समाज के प्रतिनिधियों ने मुलना साहब की संपत्ति और विरासत से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए पारसी यूनिटी की ओर से आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में राजेंद्र शुक्ला, अमरसिंह ठाकुर, शब्बीर पटेल, प्रोफेसर चिले साहब, खेल विभाग के के.एन. ठाकरे, पटले जी, डॉगरे जी, दीपक औचट सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के माध्यम से एक बार फिर मुलना साहब के उस योगदान को याद किया गया, जिसने उन्हें बालाघाट के सामाजिक इतिहास में विशिष्ट पहचान दिलाई। उपस्थित लोगों ने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित के लिए किया गया उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा और उदारता की प्रेरणा देता रहेगा।

युवा कवि किशोर छिपेश्वर सागर मथुरा में सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नर्मदा आव्हान सेवा समिति नर्मदापुरम के तत्वावधान में घनश्याम राधे कृष्ण की नगरी मथुरा (उ. प्र.) में काव्य महोत्सव सम्मान समारोह में का आयोजन किया गया जिसमे देश भर के 40 कवियों ने भाग लिया जिसमे बालाघाट के युवा कवि किशोर सागर छिपेश्वर को



साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया उन्होंने बालाघाट ही नहीं मध्यप्रदेश को भी गौरवान्वित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली से पधारी कवयित्री समाज सेविका अनुराधा पांडे ने किया मुख्य अतिथि भूदत्त शर्मा हरिद्वार रहे कार्यक्रम के आयोजक किशोर करैया किशोर छिपेश्वर की इस उपलब्धि पर दिनेश देहाती राजेंद्र शुक्ल, दिनेश मानसून, अंतु झकास, प्रणय श्रीवास्तव, माधुरी किरण, अजय परले, कुंज किशोर विरुरकर, बसंत विराट,योगराज कारो लिल्हारे, विजय छिपेश्वर,साहित्य प्रेमी कवियों सहित अन्य लोगो ने बधाई प्रेषित की है।

बालाघाट के डॉ. दुर्गेश अगासे राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में दिखाएंगे प्रतिभा

ईएसटीआईसी-2026 के लिए हुआ चयन, नई दिल्ली में देश-दुनिया के वैज्ञानिकों के बीच रखेंगे सहभागिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट के उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान जगत के लिए गौरव की खबर है। शासकीय जे.एस.टी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के प्राणीशास्त्र विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ. दुर्गेश अगासे को भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन ईएसटीआईसी-2026 में सहभागिता के लिए चयन हुआ है। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में सहभागिता के माध्यम से डॉ. अगासे को देश-दुनिया में विज्ञान, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों एवं नवाचारों को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। उनका चयन बालाघाट जिले के शैक्षणिक एवं शोध क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।बताया गया कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की नई संभावनाओं पर मंथन होगा। इसमें नोबेल पुरस्कार विजेताओं, विश्वस्तरीय वैज्ञानिकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप संस्थापकों और युवा नवाचारकर्ताओं की सहभागिता प्रस्तावित है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी सहित 12 प्रमुख उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी।

शोध और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

ईएसटीआईसी-2026 का उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उद्योगों एवं



शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। ऐसे आयोजनों से शिक्षकों और शोधार्थियों को नवीन तकनीकों, अनुसंधान की संभावनाओं तथा विज्ञान आधारित विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों की जानकारी मिलती है डॉ. अगासे की सहभागिता से प्राप्त अनुभव विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकते हैं।

प्राचार्य ने बताया महाविद्यालय के लिए गौरव

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने डॉ. दुर्गेश अगासे के चयन को महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक आयोजनों में शिक्षकों की सहभागिता से संस्थान में शोध गतिविधियों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है।डॉ. अगासे की इस उपलब्धि से बालाघाट के उच्च शिक्षा जगत को राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंच से जुड़ने का अवसर मिला है। जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय अनुसंधान और सतत कृषि जैसे क्षेत्रों में नवीन वैज्ञानिक विचारों का आदान-प्रदान जिले में भविष्य की शोध संभावनाओं को नई दिशा देने में सहायक हो सकता है।

ईवीएम हटाने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, जन क्रांति युवा संगठन और आप कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ईवीएम हटाने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर एक बार फिर बालाघाट में प्रदर्शन किया गया। 25 अक्टूबर को जन क्रांति युवा संगठन बालाघाट के तत्वावधान में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और संगठन से जुड़े लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में मांगों से संबंधित पोस्टर लेकर रैली निकाली और ईवीएम हटाओ, देश बचाओ के नारे लगाए। रैली के माध्यम से उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपनी मांगें उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। रैली स्थानीय बस स्टैंड से शुरू होकर काली पुतली चौक और अंबेडकर चौक होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची। यहां प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। प्रदर्शन के दौरान ईवीएम हटाने को लेकर भी नारेबाजी की गई। संगठन और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह प्रदर्शन किया। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर बालाघाट में इससे पहले भी आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर को जन क्रांति युवा संगठन के नेतृत्व में एक बार फिर रैली निकालकर मांगों को उठाया गया। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगों पर ध्यान देने की अपील की।



धरपीवाड़ा से निलजी पहुंच मार्ग खस्ताहाल, आवागमन में हो रही भारी परेशानी

जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढे, आये दिन घटित हो रही दुर्घटनाएं, जिम्मेदार मौन, मरम्मत की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा से निलजी पहुंच मार्ग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और जगह-जगह बड़े-बड़े व जानलेवा गड्ढे बन गये है। जिसके कारण इस मार्ग पर आवागमन करने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क में बने गड्ढों के कारण आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। आपकों बता दे कि विगत वर्ष पूर्व ही धरपीवाड़ा से निलजी पहुंच मार्ग का डामरीकरण कार्य करवाया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के सड़क का खस्ताहाल हो चुका है। यानि की घाटिया निर्माण की वजह से सड़क की गिट्टियां बाहर निकल आई हैं और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गये है। जिस कारण से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस समस्या से कई बार सड़क विभाग को अवगत करवा दिया गया है,



लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह मार्ग निलजी से लालबर्रा-वारासिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग है। इस वजह से यहां से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर आवागमन करते हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक उपेक्षा के चलते मार्ग की सुध नहीं ली जा रही है, जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

धान खरीदी और मेला सीजन में बढ़ेगी परेशानी

आगामी दिनों में शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की जानी है। निलजी और धरपीवाड़ा में सेवा सहकारी समिति (सोसायटी) के खरीदी केंद्र हैं, जहां किसान अपनी उपज लेकर पहुंचेंगे। सड़क खराब होने के कारण किसानों को अपनी फसल केंद्रों तक पहुंचाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। इसके अलावा आगामी समय में मंडई-मेले के दौरान रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने जाने वाले लोगों के लिए भी यह मार्ग बेहद खतरनाक साबित होगा। रात के अंधेरे में गड्ढे दिखाई न देने से बड़े हादसों का अंदेशा बना हुआ है। वहीं राहगीर एवं ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से इस सड़क की मरम्मत और सुधारीकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिम्मेदारों की इस बेरुखी से ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा हो। उपेक्षा पूर्ण रवैये को लेकर राहगीरों एवं ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है। राहगीर एवं ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही सड़क का मरम्मत कार्य प्रारंभ करवाये।

ददिया में परमात्मा एक सेवक परिवार ब्लॉक लालबर्रा का भव्य 'शरद पूर्णिमा' कोजागिरी कार्यक्रम 27 को



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के स्कूल प्रांगण में परमात्मा एक सेवा परिवार लालबर्रा ब्लॉक के द्वारा आगामी 27 अक्टूबर को (शरद पूर्णिमा) कोजागिरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह आयोजन 'परमात्मा एक सेवक परिवार ब्लॉक लालबर्रा द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल वर्धमान नगर नागपुर के आदेशानुसार आयोजित किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त अंध श्रध्दा और बुरे व्यसनों को दूर कर लोगों को सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा देना है। यह आयोजन पूरी तरह से महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के दिखाये मार्ग पर आधारित है, जिन्होंने सत्य, मर्यादा और प्रेम के व्यवहार से जीवन को सुखमय बनाने का संदेश दिया था। आगे बताया कि कोजागिरी (शरद पूर्णिमा) के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम को आकर्षक और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें शाम 5 बजे से रंगोली प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चर्चा बैठक मार्गदर्शन, ग्रुप डांस प्रतियोगिता, बाबा जुमदेव जी के सुमधुर गीत व भजन का कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत से ही महाप्रसाद प्रारंभ हो जायेगा, जो देर रात्रि तक अनवरत चलता रहेगा। कोजागिरी (शरद पूर्णिमा) के शुभ अवसर पर रात 12 बजे विशेष रूप से खीर का वितरण किया जायेगा। जिसके साथ ही इस भव्य कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर समस्त परमात्मा एक सेवक परिवार से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजक समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम भोयर, कार्यकर्ता दिलीप बारेकर, सोमेश्वर उके, लाकेश सार्वे सहित समस्त परमात्मा एक सेवक परिवार ने की है।

लेंडेझरी सांदीपनी विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया आईटीआई का शैक्षणिक भ्रमण



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लेंडेझरी स्थित सांदीपनी विद्यालय के व्यवसायिक शिक्षा (ट्रेड) के विद्यार्थियों ने गत दिवस स्वामी विवेकानंद आईटीआई का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के लगभग 140 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान सांदीपनी विद्यालय लेंडेझरी के विद्यार्थियों ने आईटीआई परिसर स्थित विभिन्न ट्रेडों की तकनीकी गतिविधियों को बारीकी से समझा और कम्प्यूटर लैब का अवलोकन किया। वहीं आईटीआई के विशेषज्ञों व शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को जानकारी दी कि भविष्य में विभिन्न तकनीकी ट्रेडों की पढ़ाई कर वे किस प्रकार रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया कि आईटीआई की पढ़ाई पूरी करने के बाद किस तरह से अलग-अलग क्षेत्रों में नौकरियां उपलब्ध होती हैं और किस प्रकार वे अपना भविष्य उज्वल एवं सफल बना सकते हैं। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना और उनके कैरियर निर्माण के लिए सही दिशा प्रदान करना था। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य अवध नारायण तिपाठी, व्यवसायिक शिक्षा के नोडल अधिकारी अंबरलाल टेंभरे, शिक्षक कमलेश चौधरी व दमाहे मेम व उइके मेम, बरखा पटले सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती महोत्सव में कूपन ड्रा एवं ए. आर. म्यूजिक बैंड कार्यक्रम आज

हवन-पूजन एवं एवरग्रीन आर्केस्ट्रा का हुआ आयोजन, प्रतिमा विसर्जन के साथ 27 को महोत्सव का होगा समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के तत्वाधान में गत 15 अक्टूबर को विद्या की देवी माँ वीणा वादिनी की प्रतिमा विराजित कर माँ सरस्वती महोत्सव भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। 25 अक्टूबर को हवन-पूजन का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम पं. विमश्र मिश्रा द्वारा यजमान श्रीमती स्वेता-चेतन जैन की उपस्थिति में संपन्न करवाया है। आयोजित हवन-पूजन कार्यक्रम में श्रध्दालु एवं समिति के पदाधिकारियों के द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात रात में आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर 24 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण समारोह एवं आर्केस्ट्रा एवरग्रीन नागपुर का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वारासिवनी-खैरलांजी विधायक विवेक पटेल, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते महोत्सव के दौरान हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण किया। जिसके बाद नागपुर का आर्केस्ट्रा प्रारंभ हुआ और आर्केस्ट्रा के गायकों एवं अन्य कलाकारों के द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी गई। वहीं 25 अक्टूबर को हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रात 10 बजे से विशाल देवी जागरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें गायिका सुचिता भगवाधारी द्वारा देवी गीतों व भजनों की प्रस्तुती दी गई। इन दोनों दिन उपस्थित अतिथियों ने माँ सरस्वती प्रांगण में पहुंचकर विद्या की देवी माँ वीणा वादिनी की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही महोत्सव समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात कर आयोजन के संबंध में चर्चा कर इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर आयोजित हुए कार्यक्रमों से पूरा परिसर भक्तिगीतों से गुंजमान्य उठा। साथ ही महोत्सव के अंतिम दिन 26 अक्टूबर को कूपन ड्रा एवं ए. आर. म्यूजिक बैंड का आयोजन किया गया है। इस 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है और यह महोत्सव एक मेला का रूप ले लिया है जहां दुर-दराज से आने वाले श्रध्दालुजन महोत्सव परिसर में लगाये गये स्टाल, दुकानों से सामग्री की खरीदी भी कर रहे है। तो वहीं आकाश झुले का भी लुप्त उठा रहे है। 26 अक्टूबर को कूपन ड्रा खोला जायेगा एवं 27 अक्टूबर को माँ सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन किया जायेगा। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 34 वें वर्ष में माँ सरस्वती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है एवं 26 अक्टूबर को कूपन ड्रा खोला जायेगा, ए.आर म्यूजिक बैंड कार्यक्रम का आयोजन किया गया है एवं 27 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ ही 13 दिवसीय महोत्सव का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने की है।



ब्लॉक लोधी समाज की हुई बैठक

बैठक में वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा अनावरण की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सामने स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को ब्लॉक लोधी समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक ब्लॉक लोधी समाज लालबर्रा एवं आलोक संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में हाई स्कूल मार्ग पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम भव्य रूप से करने, आलोक संघ के द्वारा आगामी 15 नवंबर को आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि सभी के सहयोग से हाई स्कूल मार्ग पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसका अनावरण कार्यक्रम भव्य रूप से किया जाना है इसलिए इस कार्यक्रम को भव्यता रूप देने के लिए सामाजिक बंधुओं को सहयोग करना पड़ेगा। वहीं आगामी 15 नवंबर को आलोक संघ द्वारा जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें कक्षा 10 वीं, 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जायेगा। लालबर्रा क्षेत्र के जिन छात्र-छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए है ऐसे सामाजिक छात्र-छात्राओं की सूची तैयार कर कार्यक्रम में उपस्थिति करवाने की अपील सामाजिक बंधुओं से की है। वहीं सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने प्रेरित किया गया। आलोक संघ बालाघाट अध्यक्ष पीएल पिछोड़े ने बताया कि लालबर्रा बस स्टैण्ड के पीछे हाई स्कूल मार्ग पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसका अनावरण और जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आगामी समय में किया जाना है, जिसकी तैयारी के संबंध में बैठक में चर्चा की गई है। आगे बताया कि वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को भव्य रूप में आयोजित किये जाने, समारोह की तिथि तय करने पर विचार-विमर्श किया गया है और सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने कहा गया है। इस अवसर पर ब्लॉक लोधी समाज लालबर्रा, आलोक संघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।





खैरलांजी में छात्रावास बंद होने पर छात्रों का विरोध

राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय बालक छात्रावास को नियमित रूप से संचालित करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
खैरलांजी महाविद्यालय में दूर दराज के गांवों से आकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों के सामने संकट के बादल मंडराने लगे हैं। खैरलांजी के राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालयीन बालक छात्रावास को बंद किए जाने और वहां ताला जड़े जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए छात्रावास को सुचारु रूप से संचालित रखने की पुरजोर मांग उठाई है।





यह है पूरा मामला

वीरेंगना रानी अवंतीबाई शासकीय महाविद्यालय में खैरलांजी और कटंगी क्षेत्र के कई दूरस्थ गांवों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें से अधिकांश छात्र ऐसे परिवारों से ताल्लुक रखते हैं जिनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और जो प्रतिदिन गांवों से कॉलेज आना जाना करने में असमर्थ हैं। ये विद्यार्थी छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। जब वे हाल ही में छात्रावास पहुंचे तो उन्हें अधीक्षक के द्वारा यह जानकारी दी गई कि छात्रावास बंद कर दिया गया है और २२ अक्टूबर को इस पर ताला लगा दिया गया है। अचानक हुई इस कार्यवाही से छात्रों के सामने रहने और अपनी पढ़ाई जारी रखने का गंभीर संकट खड़ा हो गया। छात्रों की परेशानी को देखते हुए ग्रामीणों ने एकजुट होकर २४ अक्टूबर को जनजागीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। छात्रों की इस पहल के बाद उसी दिन यानी २४ अक्टूबर की शाम को छात्रावास का ताला खोले जाने की अनुमति दी गई। हालांकि ताला खुलने के बाद भी विद्यार्थियों और ग्रामीणों की चिंताएं खत्म नहीं हुई हैं। उनकी मांग है कि छात्रावास को केवल तात्कालिक रूप से खोलने के बजाय इसका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई बाधा ना आए। आगामी शैक्षणिक सत्र से खैरलांजी महाविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू होने की प्रबल संभावना है। यदि पीजी की पढ़ाई शुरू होती है तो महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ऐसी स्थिति में छात्रावास को बंद करने के बजाय इसकी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और अधिक से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। जिसको लेकर विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने मांग की हैं की राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालयीन बालक छात्रावास को स्थायी रूप से संचालित रखा जाए। छात्रावास में दर्ज विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या और प्रवेश अभिलेखों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। पात्र विद्यार्थियों को आवास की सुविधा सुलभ कराते हुए उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रखने के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

अधीक्षक द्वारा कथित रूप से नाम काटकर इस संख्या को घटा दिया-भारत चौरागड़े

ग्रामीण भारत चौरागड़े ने इस मामले में गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि छात्रावास में कुल ४३ विद्यार्थियों का वैध प्रवेश था। लेकिन अधीक्षक द्वारा कथित रूप से नाम काटकर इस संख्या को घटाकर मात्र १९ दर्शा दिया गया। हमें आशंका है कि छात्रावास को बंद करने के नापाक इरादे से जानबूझकर कम संख्या दिखाई गई है। आगामी सत्र में पीजी की पढ़ाई शुरू होने की संभावना है। यदि ऐसा होता है तो महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में छात्रावास को बंद करने के बजाय उसकी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और जरूरतमंद विद्यार्थियों को सुविधा उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

बच्चों के नाम काटे गए और संख्या कम होने के कारण बंद किया जा रहा है-विनोद कावरे

छात्र विनोद कावरे ने बताया कि वह फुलचूर के रहने वाले हैं खैरलांजी महाविद्यालय में पढ़ाई करते हैं। हाल ही में छात्रावास से नवरात्र पर्व मनाने के लिए अपने गांव गए हुए थे। जहां से वापस आए तो पता चला कि छात्रावास बंद कर दिया गया है। यहां छात्रावास में ४० बच्चों के नाम दर्ज थे श्री विसेन के द्वारा बच्चों के नाम काटे गए और संख्या कम होने के कारण इसे बंद किया जा रहा है। इसमें श्री विसेन का हाथ है हम चाहते हैं कि नया अधीक्षक यहां पर पदस्थ किया जाए। इस संबंध में हम बालाघाट भी गए थे तो उन्होंने तत्काल में इसे चालू कर दिया है हम यही चाहते हैं की सुचारू रूप से यह चालू रहे।

वारासिवनी में उल्लास नव भारत साक्षरता परीक्षा आयोजित

१६६ सामाजिक चेतना केंद्रों पर ३६१४ नव साक्षरों ने दी परीक्षा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासन के निर्देशानुसार २४ अक्टूबर २०२६ को विकासखंड वारासिवनी में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षरों की परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। विकासखंड श्रोत समन्वयक सतेंद्र शरणागत के निर्देशन में विकासखंड के १६६ सामाजिक चेतना केंद्रों को परीक्षा केंद्र बनाया गया जहाँ कुल ३६१४ नव साक्षर परीक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक परीक्षा में सहभागिता की। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य नव साक्षरों के पढ़ने लिखने एवं सामान्य गणित संबंधी बुनियादी कौशलों का आकलन करना तथा उन्हें साक्षरता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और असाक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। परीक्षा के सफल आयोजन पर उल्लास नव भारत साक्षरता के ब्लॉक समन्वयक भोजराज पटले ने सभी शाला प्रमुखों शिक्षकों एवं अक्षर साथियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण सहयोग और सक्रिय सहभागिता की सराहना की। इस व्यापक आयोजन को सफल बनाने में सभी बीएसी ,सीएसी ,संकुल प्राचार्यों तथा जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी की संपूर्ण टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों एवं अक्षर साथियों के समन्वित प्रयासों से विकासखंड में साक्षरता अभियान को प्रभावी गति मिली। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करने तथा साक्षर एवं जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।





मवेशी को बचाने नहर में उतरे युवक की डूबने से मौत

खापा के खंडवा मार्ग पर हुआ हादसा, नहर में छोड़ा गया था सिंचाई के लिए पानी





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम खापा के खंडवा मार्ग पर स्थित राजीव सागर नहर में मवेशी को बाहर निकालने उतरे २७ वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना २५ अक्टूबर को है मृतक की पहचान अनिल पिता मंगल प्रसाद पंचेश्वर निवासी वार्ड क्रमांक ४ ग्राम खापा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकालकर आवश्यक कार्यवाही की। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

मवेशी को बचाने नहर में उतरा था युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीतेकसा बांध से राजीव सागर परियोजना की नहर के माध्यम से क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाता है। कटंगी की ओर से आने वाली इस नहर का अंतिम छोर ग्राम खापा के पास स्थित है। इन दिनों किसानों की सिंचाई के लिए नहर में पर्याप्त पानी छोड़ा गया था। इसी दौरान नहर किनारे चर रहे एक मवेशी अचानक पानी में उतर गया। मवेशी को नहर से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अनिल पंचेश्वर पानी में उतर गया। बताया जाता है कि अनिल ने मवेशी को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत की लेकिन नहर में पानी का तेज बहाव और दोनों ओर सीमेंट का पक्का निर्माण होने के कारण उसे बाहर निकालने में परेशानी हुई। इसी बीच वह गहरे पानी में जाने से पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान अनिल का चचेरा भाई आसपास खेत में फसल कटाई का काम कर रहा था। इसी दौरान उसकी नजर नहर में डूबे व्यक्ति पर पड़ी। इसके बाद उसने आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। युवक के नहर में डूबने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना को लेकर क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने पर सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को नहर से बाहर निकलवाया, जिसकी पहचान अनिल पंचेश्वर के रूप में हुई। इसके बाद शव को वारासिवनी सिविल अस्पताल स्थित शव चिच्छेदन गृह पहुंचाया गया। यहां पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

नहर में तेज बहाव के कारण डूबने से उसकी मौत हो गई-देवीप्रसाद गौतम

सरपंच देवी प्रसाद गौतम ने बताया की राजीव सागर नहर खापा में बहती है उस नहर में करीब १० बजे गांव का लड़का अनिल पंचेश्वर डूब गया। यह मवेशी चराने का काम करता था जो मवेशी लेकर गया हुआ था और उसका कोई मवेशी नहर में उतर गया जिसे निकालने के लिए वह कुलापे में उतरा था। नहर में तेज बहाव के कारण डूबने से उसकी मौत हो गई पानी का उसे भी अभी का अनुभव नहीं था। २० मिनट बाद उसका चचेरा भाई ने आकर देखा जिसमें सबको सूचना दी अभी हम थाने में मर्ग कायम करवा रहे।

इनका कहना हैं

थाने में सूचना मिली थी कि खापा की नहर में कोई युवक डूब गया है मौके पर जाकर देखें तो अनिल पंचेश्वर की मौत हो चुकी थी। शव बरामद कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दे दिया गया है मामले में मर्ग जांच की जा रही है।

धनेश वल्के
सहायक उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी

राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का संदेश लेकर आज नगर भ्रमण पर निकलेगा संघ का पथ संचलन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रभक्ति सामाजिक समरसता और अनुशासित संगठन की भावना को अभिव्यक्त करने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परंपरा के तहत विजयादशमी उत्सव के अवसर पर सोमवार को वारासिवनी में भव्य पथ संचलन निकाला जाएगा। पथ संचलन संघ के स्वयंसेवकों के अनुशासन एकजुटता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित मार्ग से गुजरने वाले इस संचलन का शुभारंभ स्थानीय कचहरी मैदान से होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर वारासिवनी द्वारा आयोजित पथ संचलन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के तहत दोपहर ३.४५ बजे कचहरी मैदान में एकत्रीकरण होगा, जहां से संचलन प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरेगा।

इन प्रमुख मार्गों से गुजरेगा संचलन

पथ संचलन कचहरी मैदान से प्रारंभ होकर कोर्ट के पीछे से संतोष लिल्हारे के निवास के सामने से गुजरेगा। यहां से दीनदयाल चौक होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगा। इसके बाद जयस्तंभ चौक,नेहरू चौक, आंबेडकर चौक और गोलीबारी चौक से गुजरते हुए मिश्रा ग्रंथालय के सामने से गांधी चौक पहुंचेगा। यहां से सब्जी मंडी मार्ग होते हुए दुर्गा मंदिर और परशुराम चौक पहुंचेगा। इसके पश्चात नेहरू चौक एवं जयस्तंभ चौक होते हुए पुनः कचहरी मैदान पहुंचेगा जहां पथ संचलन का समापन होगा।

पूर्ण गणवेश एवं दंड के साथ उपस्थित होने की अपील

संघ की ओर से नगर के समस्त स्वयंसेवकों से निर्धारित समय पर पूर्ण गणवेश एवं दंड के साथ उपस्थित होने का आह्वान किया गया है। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित यह पथ संचलन संघ की परंपरा सामूहिक अनुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प को प्रदर्शित करेगा।

टीम अटल का तीसरा स्थापना दिवस समारोह आज, कोचेवाही में होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत टीम अटल का तीसरा स्थापना दिवस समारोह २६ अक्टूबर को ग्राम पंचायत कोचेवाही में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम वारासिवनी.खैरलांजी के पूर्व विधायक एवं टीम अटल के संस्थापक डॉ.योगेन्द्र निर्मल के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। इसमें २६ अक्टूबर की दोपहर १२ बजे माता मंदिर के सामने बड़ी कोचेवाही में आयोजित हैं। इस अवसर पर टीम अटल के सभी सदस्यगणों और क्षेत्र के समस्त गणमान्य नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील टीम अटल के पदाधिकारी ने की है।

वारा माता मंदिर प्रांगण में सांसद निधि से हाई मास्क लाइट का भूमि पूजन संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा माता मंदिर प्रांगण में क्षेत्र के विकास को गति देते हुए सांसद निधि से हाई मास्क लाइट लगाए जाने के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन स्थानीय नागरिकों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। पूर्व जनपद उपाध्यक्ष



सुनिल बंटी पारधी ने बताया की माता मंदिर प्रांगण में हाई मास्क लाइट लग जाने से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में रात के समय आवागमन बेहतर होगा। तथा प्रकाश व्यवस्था सुलभ होने से दर्शनार्थियों को भी खासी सुविधा मिलेगी। उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों ने इस विकास कार्य के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के निरंतर विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर विनोद पंडा बाबा, मनीष पारधी अध्यक्ष ज्वारा उत्सव समिति, राम गौतम जनपद सदस्य, सुनील बंटी पारधी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष, रमेश कनोजे पंच, रामसिंह पटेल,ज्ञानचंद नेवारे ,आशीष पारधी, आकेश राहंगडाले ,लक्ष्री तूरकर श्री ढेकने, श्री शरणागत ,कृष्णा गिरी ,जिया कार्सरपे सहित अन्य ग्रामीण जन भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मोहझरी के जंगल में आबकारी विभाग की दबिश, 800 किलो महुआ लाहन जब्त

81,500 रुपए की सामग्री बरामद, 10 लीटर कच्ची महुआ शराब भी मिली; दो प्रकरण दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में 24 अक्टूबर को आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम मोहझरी के जंगल में छापेमार कार्रवाई कर करीब 800 किलोग्राम महुआ लाहन और 10 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब बरामद की। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 81,500 रुपए बताया गया है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त लांजी की टीम ने मोहझरी के जंगल में नदी-नालों के आसपास अलग-अलग स्थानों पर अचानक दबिश दी। इस दौरान प्लास्टिक ड्रमों और बोरियों में भरकर रखा गया महुआ लाहन तथा कच्ची महुआ शराब मिली। टीम ने मौके से सामग्री जब्त कर कार्रवाई की।

जब्त महुआ लाहन के नमूने लेने के बाद शेष लाहन



को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी कौसुभ नेताम, आबकारी आरक्षक राहुल महोबिया और आरक्षक कपिल टांडेकर शामिल रहे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और विक्रय के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दो प्रकरण दर्ज, लाहन मौके पर नष्ट

आबकारी विभाग ने मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(च) के तहत दो प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं।

महर्षि वाल्मीकि की रामायण-रचना की प्रेरणा

भारतीय साहित्य और संस्कृति में महर्षि वाल्मीकि का स्थान अत्यंत ऊँचा है। उन्हें आदिकवि कहा जाता है और उनकी रामायण को आदिकाव्य की संज्ञा दी जाती है। यह केवल श्रीराम के जीवन की कथा नहीं, बल्कि धर्म, करुणा, कर्तव्य, त्याग, मर्यादा और मानवीय संवेदना का महाकाव्य है। रामायण को महाकाव्य इसलिए कहा जाता है कि इसका विषय किसी एक घटना तक सीमित नहीं, बल्कि एक नायक के जीवन और उसके माध्यम से पूरे समाज के नैतिक-सांस्कृतिक प्रश्नों का विस्तृत चित्रण है। इसमें राजधर्म, पितृभक्ति, भ्रातृप्रेम, दाम्पत्य-निष्ठा, मित्रता, जनकल्याण, शौर्य, करुणा, प्रकृति और मानवीय दुर्बलताओं का व्यापक वर्णन है। कथा का विस्तार, अनेक पात्र, विविध रस, प्रकृति-चित्रण, संवाद, युद्ध-वर्णन और आदर्शों की परीक्षा इसे महाकाव्यात्मक गरिमा देते हैं। महर्षि महर्षि वाल्मीकि -रामायण के बालकाण्ड के आरंभ में महर्षि वाल्मीकि देवर्षि नारद मुनि से प्रश्न करते हैं कि संसार में ऐसा कौन मनुष्य है जो गुणवान, वीर, धर्मज्ञ, कृतज्ञ, सत्यवादी, दृढ़प्रतिज्ञ और सबके हित की भावना रखने वाला हो। नारद मुनिउन्हें श्रीराम का परिचय देते हैं और संक्षेप में श्रीराम के जीवन, गुणों तथा आदर्शों का वर्णन करते हैं। इस प्रकार नारद मुनि रामकथा के प्रथम प्रमुख प्रेरणा-स्रोत बनते हैं। महर्षि वाल्मीकि के सामने अब एक ऐसे चरित्र का आदर्श उपस्थित था जिसमें शक्ति के साथ विनम्रता, पराक्रम के साथ करुणा और अधिकार के साथ कर्तव्य का समन्वय था। नारद मुनि के जाने के बाद महर्षि वाल्मीकि तमसा नदी के तट की ओर जाते हैं। वहाँ वे क्रौंच पक्षियों के एक जोड़े को देखते हैं। एक बहेलिया प्रणयरत जोड़े में से नर पक्षी को मार गिराता है। मादा पक्षी का करुण विलाप सुनकर महर्षि वाल्मीकि का हृदय द्रवित हो उठता है और उनके मुख से स्वत: एक छंदबद्ध वाणी निकलती है, जो शोक से उपजी कविता का रूप लेती है। परंपरा में इसे संस्कृत के प्रथम श्लोक का उद्गम माना जाता है। उसका प्रसिद्ध पाठ है—

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः।
यत्क्रौञ्चमिथुनादेकमवधीः काममोहितम्॥

हे निषाद, काम-मोह में मग्न क्रौंच-युगल में से एक का वध करने के कारण तुम्हें दीर्घकाल तक प्रतिष्ठा न मिले। इस प्रसंग में करुणा केवल भावुकता नहीं रहती; वह काव्य की सृजन-शक्ति बन जाती है। इसी कारण संस्कृत परंपरा में 'शोक' से 'श्लोक' के उद्भव की व्याख्या की जाती है। परंपरागत कथा के अनुसार, इसके बाद सृष्टिकर्ता ब्रह्मा महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आते हैं। वे इस छंद को दैवी प्रेरणा से उत्पन्न बताते हैं और महर्षि वाल्मीकि को नारद मुनिसे सुनी रामकथा को इसी काव्य-रूप में विस्तार देने का निर्देश देते हैं। ब्रह्मा उन्हें आश्वस्त करते हैं कि श्रीराम के जीवन की ज्ञात-अज्ञात घटनाएँ उनके काव्य में प्रकट होंगी और उनकी रचना तब तक लोक में रहेगी जब तक पर्वत और नदियाँ विद्यमान हैं। इस प्रकार महर्षि वाल्मीकि की प्रेरणा के तीन मुख्य आधार सामने आते हैं— नारद मुनि से प्राप्त श्रीरामचरित्र, क्रौंच-वध से जागी करुणा और ब्रह्मा का दैवी आदेश। श्रीराम के संबंध में महर्षि वाल्मीकि को नारद मुनि से कथा और ब्रह्मा से काव्य-दृष्टि प्राप्त होती है। उत्तरकाण्ड की परंपरा में महर्षि वाल्मीकि का सीता को आश्रय देना तथा कुश-लव को रामकथा सिखाना भी आता है। महर्षि वाल्मीकि के युग की विद्वत्, वैदिक और काव्य-परंपरा में संस्कृत का महत्त्वपूर्ण स्थान था। संस्कृत में छंद, ध्वनि, शब्द-संपदा और व्याकरण की विकसित परंपरा उपलब्ध थी, जिससे गंभीर आख्यान को लयबद्ध और स्मरणीय रूप दिया जा सकता था।

एक व्हाट्सएप चैट, स्क्रीनशॉट हत्या का आरोप और सुप्रीम कोर्ट का फैसला!

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव जीवन की कार्यशैली से लेकर अपराधों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया तक सब कुछ बदल दिया है।आज मोबाइल फोन,व्हाट्सएप चैट, ई-मेल,सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल लोकेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार सामग्री जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।लेकिन डिजिटल युग में एक बुनियादी सवाल लगातार गंभीर होता जा रहा है,क्या किसी मोबाइल फोन में मौजूद संदेश को हीकिसी व्यक्ति के अपराधी होने का निर्णायक प्रमाण मान लिया जाए? क्या किसी संदेश का तकनीकी रूप से भेजा जाना यह भी साबित कर देता है कि उसमें लिखी गई हर बात सच है? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इसी महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने नई चर्चा को जन्म दिया है। शुक्रवार दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को कुसुमलाल साव बनाम छत्तीसगढ़ राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने हत्या के एक मामले में आरोपी की दोषसिद्धि रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि विवादित व्हाट्सएप संदेश,जिनकी प्रामाणिकता और जानकारी के स्रोत की पुष्टि नहीं हुई थी,अपने आप में हत्या का दोष साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं थे।यह निर्णयडिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता,गवाहों की भूमिका और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी कड़ी स्थापित करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।मीडिया में आई जानकारी के अनुसार क्रिमिनल अपील नंबर 4894 ऑफ 2026 एसएलपी(क्रल) नंबर 11542 ऑफ 2026 से उत्पन्न न्यायालय एवं पीठ भारत का सर्वोच्च न्यायालय न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई निर्णय की तारीख 13 अक्टूबर 2026 न्यूट्रल साइटेशन- 2026 आईं एनएससी 1148 इसलिए यह कहना अधिक सटीक होगा कि फैसला 13 अक्टूबर 2026 को सुनाया गया और इसकी चर्चा 23 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित समाचारों में भी हुई।बता दें कि यह पूरी जानकारी मीडिया से दी गई है। साथियों बात अगर हम हत्या का मामला क्या था? व्हाट्सएप संदेशों ने कैसे खड़ा किया कानूनी सवाल? इसको समझने की करें तो, इस मामले की शुरुआत 9 फरवरी 2019 को हुई,जब सौरभ पांडा नामक व्यक्ति का शव एक खुले मैदान में मिला।शव के पास उसकी मोटरसाइकिल और रस्सी भी थी।पोस्टमार्टम के बाद मामला हत्या का मानकर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस जांच के दौरान अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर कुसुमलाल साव को इस अपराध से जोड़ने का प्रयास किया। जांच में अभियोजन पक्ष के दो गवाहों, जिन्हें न्यायालयीन रिकॉर्ड में पीडब्ल्यू-5 और पीडब्ल्यू-6 कहा गया, के मोबाइल फोन जब्त किए गए। फोरेंसिक जांच में उनके फोन के बीच 7 और 8 फरवरी 2019 की दरमियानी रात एक व्हाट्सएप संदेश मिलने की बात सामने आई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उस संदेश में मृतक और आरोपी के बीच कथित विवाद तथा मारपीट का उल्लेख था। अभियोजन ने इस संवाद को आरोपी की कथित संलिप्तता से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण आधार बनाया।इसके अतिरिक्त, आरोपी के घर से लोहे की रॉड, पेचकस, खून के निशान वाली शर्ट और खून लगी मिट्टी मिलने का दावा किया गया। निचली अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 201 (साक्ष्य मिटाने से संबंधित अपराध) के तहत दोषी ठहराया। हाईकोर्ट ने भी दोषसिद्धि बरकरार रखी।फिर इसके बाद आरोपी ने विश्वास से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। साथियों बात अगर हम अदालत ने व्हाट्सएप चैट को पर्याप्त सबूत क्यों नहीं माना? इसको समझनेकी करें तो इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों गवाहों ने कथित घटना के बारे में अभियोजन पक्ष के दावे का समर्थन नहीं किया। उन्होंने आरोपी और मृतक के बीच उस रात कथित झगड़े को अपनी आंखों से देखने की पुष्टि नहीं की। संदेश भेजने के आरोप से जुड़े गवाह ने यह भी कहा कि उसने ऐसा संदेश भेजा ही नहीं था। सुप्रीम कोर्ट के सामने इसलिए केवल यह सवाल नहीं था कि मोबाइल फोन में संदेश मौजूद था या नहीं, बल्कि यह भी था कि संदेश किसने लिखा, वह किस जानकारी पर आधारित था और क्या उसमें वर्णित घटना वास्तव में हुई थी।न्यायालय ने माना कि पीडब्ल्यू-5 और पीडब्ल्यू-6 के बीच संदेशों का आदान-प्रदान यह साबित नहीं करता कि मृतक उस रात आरोपी के घर मौजूद था अथवा आरोपी ने उस पर हमला किया था। संदेश अधिकतम संदेह पैदा कर सकते थे, लेकिन संदेह और दोष सिद्ध होने के बीच महत्वपूर्ण अंतरहै।आपराधिक न्याय व्यवस्था में दोष सिद्धि के लिए अभियोजन को अपराध संदेह से परे साबित करना होता है। साथियों बात अगर हम साक्ष्य अधिनियम की धारा 6- एक ही घटनाक्रम का हिस्सा होना क्यों जरूरी? इसको समझने की करें तो,इस निर्णय का कानूनी महत्व भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 6 की व्याख्या में भी है। यह प्रावधान सामान्यत: उन तथ्यों को प्रासंगिक बनाने से संबंधित है जो किसी विवादित तथ्य या घटना से इतने निकटता से जुड़े हों कि एक ही लेन-देन या घटनाक्रम का हिस्सा माने जा सकें। इसे अक्सर रेस गेस्टएके सिद्धांत के रूप में समझाया जाता है।अदालत ने पाया कि इस मामले में मौत का सही समय ठोस साक्ष्य से निर्धारित नहीं हो पाया था। इसलिए यह स्थापित करना कठिन था कि विवादित संदेश अपराध के समय या उसके आसपास भेजे गए थे और उसी घटनाक्रम का हिस्सा थे।धारा 7 के संदर्भ में भी अदालत ने स्पष्ट किया कि संदेश के तकनीकी रूप से एक फोन से दूसरे फोन तक पहुंचने की बात, उसमें वर्णित घटना की सत्यता को अपने आप साबित नहीं करती। संदेश भेजने वाले की जानकारी का स्रोत और उसके कथन का आधार जानना जरूरी था। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना चाहिए- किसी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का अस्तित्व साबित करना और उस रिकॉर्ड में लिखी बात को सच साबित करना दो अलग-अलग प्रश्न हैं। साथियों बात अगर हम खून के निशान,बरामदगी और डीएनए जांच पर भी उठे सवाल इसको समझने की करें तो, सुप्रीम कोर्ट ने केवल व्हाट्सएप संदेशों का परीक्षण ही नहीं किया, बल्कि अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की विश्वसनीयता भी जांची। आरोपी के घर से खून लगी मिट्टी और अन्य वस्तुओं की बरामदगी के संबंध में गवाहों के बयानों में विरोधाभास थे। एक जब्ती गवाह के बयान से इस बात पर संदेह पैदा हुआ कि मिट्टी वास्तव में आरोपी के घर से मिली थी या उस खुले मैदान से, जहां शव बरामद हुआ था।इसके अलावा, बरामद खून को मृतक से जोड़ने वाला निर्णायक डीएनए मिलान उपलब्ध नहीं था। अदालत ने यह भी विचार किया कि मेडिकल साक्ष्य के आधार पर मोटरसाइकिल से गिरने जैसी वैकल्पिक संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सका।इन परिस्थितियों में अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ संदेह से परे एक पूरी और विश्वसनीय कड़ी स्थापित करने में असफल रहा।अदालत ने अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत और हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए तथा फिर आरोपी को बरी करने का आदेश दिया। साथियों बात अगर हम डिजिटल साक्ष्य और आम नागरिक -इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ेगा? इसको समझने की करें तो, इस निर्णय का अर्थ यह नहीं है कि व्हाट्सएप चैट, ई-मेल, मोबाइल रिकॉर्ड या अन्य डिजिटल साक्ष्य अदालत में स्वीकार नहीं किए जा सकते। डिजिटल साक्ष्य आज भी महत्वपूर्ण और कई मामलों में निर्णायक हो सकते हैं।लेकिन उनकी प्रामाणिकता संदर्भ, लेखक की पहचान, सामग्री के स्रोत और अन्य साक्ष्यों के साथ उनके संबंध का परीक्षण आवश्यक है।इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की स्वीकार्यता के लिए लागू कानूनी आवश्यकताओं का पालन भी महत्वपूर्ण है। पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के लिए धारा 65- बी की आवश्यकताएं प्रासंगिक रही हैं। 1 जुलाई 2024 से लागू भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड से संबंधित प्रावधान मुख्यत: धारा 61 से 63 में हैं। इस मामले की घटना 2019 की थी, इसलिए फैसले में पुराने कानून के प्रावधानों पर विचार किया गया। अलग-अलग मामलों में लागू कानून का निर्धारण उनकी परिस्थितियों और संक्रमण संबंधी नियमों के अनुसार किया जाएगा। पुलिस और जांच एजेंसियों के लिए संदेशों के स्रोत,डिजिटल रिकॉर्ड की अखंडता,फोरेंसिक परीक्षण और स्वतंत्र साक्ष्यों के बीच संबंध स्थापित करना अहम है। वकीलों के लिए यह निर्णय याद दिलाता है कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड प्रस्तुत कर देना और उसके माध्यम से आरोप साबित कर देना एक ही बात नहीं है। आम नागरिकों के लिए भी संदेश है कि डिजिटल सामग्री का अर्थ और विश्वसनीयता उसके संदर्भ के साथ ही समझी जानी चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि डिजिटल युग में भी न्याय का आधार ठोस प्रमाण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक, बदले जा सकने वाले स्क्रीनशॉट और तेजी से विकसित होती डिजिटल तकनीकों के दौर में अदालतों के सामने साक्ष्यों की सत्यता जांचने की चुनौती और गंभीर होती जा रही है। लेकिन तकनीक के विकास के साथ न्याय के मूल सिद्धांत नहीं बदलते-अभियोजन को अपराध साबित करना होता है, गवाहों की विश्वसनीयता परखनी होती है और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की कड़ी पूरी करनी होती है।कुसुमलाल साव बनाम छत्तीसगढ़ राज्य का फैसला इसी मूल सिद्धांत कोरेखांकित करता है,डिजिटल संदेश संदेह पैदा कर सकते हैं, लेकिन जब उनकी प्रामाणिकता लेखक की जानकारी और घटना से उनका संबंध स्थापित नहीं होता, तो वे अकेले दोषसिद्धि का पर्याप्त आधार नहीं बन सकते।यह फैसला व्हाट्सएप के विरुद्ध नहीं, बल्कि बिना पर्याप्त प्रमाण के किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने के विरुद्ध न्यायिक सावधानी का उदाहरण है। डिजिटल युग में न्याय की विश्वसनीयता इसी संतुलन पर निर्भर करती है- तकनीक का पूरा उपयोग हो, लेकिन तकनीकी रिकॉर्ड को सत्य का निर्विवाद पर्याय न मान लिया जाए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

मानवीय समाज और तकनीक

-डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना

आजकल एआई के बारे में बहुत बातें होती हैं। कुछ भी नहीं आने पर, आजकल एआई का जमाना है तुरंत कह दिया जाता है। जैसे एआई कोई अलौकिक चीज होगी जो हर समस्या का समाधान देगी। मनुष्य की सबसे पुरानी इच्छाओं में से एक यह भी है कि उसे कोई ऐसा यंत्र मिल जाए जिसमें बटन दबाने के साथ उसकी सभी तरह की इच्छापूर्ति होती रहे। क्या एआई ऐसा यंत्र है? क्या इससे जटिल मानवीय समस्याओं के समाधान तलाशें जा सकेंगे ? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महज एक मशीन है जो इंसानों द्वारा दिए गए डाटा का इस्तेमाल करते हुए अपने जवाब देता है। यह इंसान की तरह चेतना सम्पन्न नहीं है। स्वयं से सोचने की प्राकृतिक क्षमता इसमें नहीं हो सकती। और पिछले सालों में हम देख देख रहे हैं कि एक अर्द्धशिक्षित समाज में इसने भ्रम और झूठ फैलाने का कार्य अधिक किया है। इंसान अपने अनुभवों और महसूसने की क्षमता की वजह से खास होता है। एआई इंसानी पैटर्न की नकल करता है लेकिन इंसान नहीं हो जाता। इंसानी मस्तिष्क सोचने-समझने में जो ऊर्जा खपाता है उसके मुकाबले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को चलाने के लिए बिजली, सर्वर और बड़ी कम्प्यूटर पावर की जरूरत होती है। बिना रुके इसके काम करने की सामर्थ्य के लिए जो ऊर्जा खपत होती है उसका परिणाम मनुष्य को ही चुकाना होगा। यह एक तरफ बड़ी मात्र में ऊर्जा को नष्ट कर रहा है और दूसरी तरफ मनुष्य को स्वयं पर निर्भर बनाकर उसकी सामर्थ्य को कम कर रहा है। तकनीक का सबसे बड़ा दुष्परिणाम है कि न तो इसके पीछे की पृष्ठभूमि सामान्य मनुष्य को दिखती है न इसके होने वाले असर खुली आँखों से देखे जा सकते हैं। इससे देखने में लगता है कि यह मनुष्य को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता लेकिन तकनीक धीरे-धीरे मनुष्य को स्वयं पर निर्भर बनाकर उसकी सम्भावनाओं और व्यावहारिक क्षमताओं को कम करती जाती है। समय बचाने के तर्क से बनाई हुई तकनीक ही मनुष्य का सबसे ज्यादा समय खाती है। आधुनिक जीवन शैली वैसे ही मानवीय स्मृति को नष्ट करती है और स्मृति के बिना मनुष्य अपनी जड़ों से कट जाता है। एक क्लिक पर उपलब्ध होने वाली तकनीक, मनुष्य में धैर्य को खत्म करती है जिससे एकाग्रता कम होने से हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ती है। हर चीज को यहाँ साझा कर लेने से संवाद नहीं रह पाता। मानवीय शरीर और मस्तिष्क की कोई तय सीमा नहीं है वह संकट और चुनौतियों में स्वयं को विस्तृत करता है और पिछली सीमाओं को पार करता है। जब इस्तेमाल नहीं लिया जाता तो इसकी संभावनाएँ सिकुड़ने लगती हैं और मनुष्य हर काम के लिए तकनीक पर निर्भर हो जाता है। मनुष्य ने जो चीज अपनी सुविधाओं के लिए बनाई हैं वे धीरे-धीरे अनिवार्य होकर मनुष्य की सीमाएं बन गई हैं।आम जन किसी भी ऑनलाइन सिस्टम के पीछे छिपे तंत्र के सच को नहीं समझता है इसलिए वह इस बारे में जागरूक भी कम रहता है। लोग इसलिए खुश है कि एआई उन्हें हर प्रश्न का एक व्यवस्थित उत्तर दे रहा है। उसमें सब कुछ करा-कराया मिल रहा है जिससे उन्हें कुछ भी सोचना नहीं पड़ रहा। लेकिन ये उत्तर कहाँ से तैयार किए जा रहे हैं उनके लिए डाटा कहाँ से मिल रहा है उसके बारे में सोचना उनका काम नहीं है। जो चीज सभी को उपलब्ध हो, उसका मूल्य आखिर क्या होगा? डाटा का अपने-आप में कोई मूल्य हो भी नहीं सकता। मूल्य उस दृष्टि या अनुभव का होता है जो उस डाटा को दर्ज करती है। वह मनुष्य की ही हो सकती है मशीन की नहीं। बाजार किसी चीज के फायदों का विज्ञापन करता है उससे होने वाले नुकसान को वह मानने से भी इनकार कर देता है। मनुष्य खुद अनुभवों से ही देख सकता है कि विज्ञापित चीज दरअसल क्या है, वह हमारे जीवन और हमारी चेतना पर किस तरह का प्रभाव डाल रही है। अधिकांश लोग एआई का प्रयोग अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए नहीं करते बल्कि ज्ञान की अपनी कमियों को ढकने में करते हैं। वे इससे बने-बनाए उत्तर पाते हैं उन उत्तरों के सही-गलत को लेकर उन्हें कुछ पता नहीं होता, वे इसे सही मानकर ही चलते हैं। इस तरह एआई अधिकांश लोगों के लिए एक साधन नहीं होकर साध्य ही है किसी चीज के बारे में सोचने से दिमाग को होने वाले परेशानी से बचने के लिए वे इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे हासिल किए हुए उत्तर उनके किसी काम के नहीं होते, वे उनकी समझ में कोई इजाफा नहीं करते, वे उनकी स्मृति में कोई जगह नहीं घेरते, उन पर उन्हें सोचने और विचार करने की भी कोई आवश्यकता नहीं होती। समार्ट फोन और इंटरनेट के आने से जिन सहूलियतों की लिस्ट उपभोक्ताओं को थमाई गई थीं, क्या वे सचमुच में आईं ? क्या इनके जल्दी काम करने से मनुष्य के पास अपने लिए ज्यादा वक्त हुआ ? बल्कि इसके उलट आज यही मनुष्य के समय को खपाने के सबसे बड़े साधन बन गए हैं। इंटरनेट सर्च करना अब एक मूलभूत अधिकार है लेकिन नेटवर्क नहीं हो तो दिमाग बिल्कुल ब्लेंक होने लगता है। समझ नहीं आता क्या करें!

सामान्यतया लोग तकनीक पर बहुत भरोसा करते हैं, वैसे भी असली और नकली में भेद करने की स्किल लोगों में नहीं हो सकती। वे सब कुछ को सही मान लेते हैं इससे एक धुंध पैदा हुई है जिसमें से सच को जानना एक दुर्लभ परिस्थिति बन गई है। समार्ट फोन और इंटरनेट ने ही मनुष्य को अपनी स्मृति के बारे में इतना शंकित कर दिया था कि अपना नाम भी सही लिखने के लिए वह गूगल करने लगा था। अब एआई से क्या स्थिति होगी इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

जब भी नया कुछ आता है तो सरकारे भविष्य का खाका उसके अनुसार बनाने लगती है जो कि एक जरूरी कदम है लेकिन हर बदलाव को विकास का पर्याय बताना सही नहीं है। एक तो कोई तकनीक हम खुद नहीं बना रहे हैं वह पश्चिम से बनकर आ रही है तो उसके सहारे देश को शिखर पर ले जाने की बात सोचना एक तरह से बेमानी है। कोई तकनीक जहाँ से आती है उसका नियंत्रण भी वहीं होता है। समार्ट फोन, इंटरनेट, ऑनलाइन शिक्षा, इवी वाहन और न जाने कितनी चीजें जब आईं तो इस तरह प्रचारित की गईं जैसे उनके होने मात्र से देश दुनिया में अव्वल हो जाने वाला है। लेकिन सच में क्या हुआ?

नई आई हुई तकनीक के फायदों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है जैसे उसके होने से सभी आर्थिक-सामाजिक समस्याओं का समाधान हो जाने वाला है। किन्तु हर तकनीक का नियंत्रण सत्ता ही करती है आम-जन तो केवल इस्तेमाल का आदी बनाया जाता है। यह सही है कि कोई भी तकनीक चीजों से हमारे संबंधों को पुनर्परिभाषित करती है लेकिन यह हमेशा सकारात्मक ही नहीं होता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज का सच है इसलिए उस पर कार्य करना जरूरी है। किन्तु तकनीक पर मनुष्य की निर्भरता समाज और स्वयं मनुष्य दोनों के लिए खतरनाक है। हमें किसी तकनीक को अपनाने से पहले उसकी प्रकृति के बारे में पड़ताल करनी चाहिए। एआई आम जन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उनके सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए किस तरह उपयोगी होगा यह भी देखा जाना जरूरी है। मानवीय प्रकृति और समाज पर उसके क्या-क्या प्रभाव हो सकते हैं, इस सतर्कता के साथ ही हमें नई तकनीक को परखना चाहिए।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज

कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर रहेगी नजर

देश के पांच राज्यों में वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव कराने की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले आयोग की टीमें संबंधित राज्यों का दौरा कर रही हैं, ताकि मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, सुरक्षा व्यवस्था और चुनाव संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया जा सके। इन चुनावों का महत्व केवल नई सरकारों के गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इनके परिणाम देश की राजनीति में विभिन्न दलों की रणनीति और जनाधार को समझने का अवसर भी प्रदान करेंगे।

निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मणिपुर पहुंचकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रही है। इससे पहले अधिकारी उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं। पंजाब में 28 अक्टूबर को तैयारियों का जायजा लेने का कार्यक्रम निर्धारित बताया गया है। गोवा में भी अधिकारियों के दौरे की योजना है, हालांकि इसकी तारीख में बदलाव की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश में आयोग की टीम कब पहुंचेगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटें होने के कारण यहां की चुनावी तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाना स्वाभाविक है। आयोग के सामने पांचों राज्यों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगी। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और पार्टी विकास, कल्याणकारी योजनाओं, कानून व्यवस्था तथा बुनियादी सुविधाओं को प्रमुख मुद्दों के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दल सरकार के कामकाज, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े सवाल उठा सकते हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस होने की संभावना है। कांग्रेस इसे मताधिकार और चुनावी पारदर्शिता से जोड़कर उठाने की तैयारी कर सकती है, जबकि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया का मूल्यांकन उसके घोषित नियमों और वास्तविक क्रियान्वयन के आधार पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता के साथ यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि किसी पात्र नागरिक का नाम अनावश्यक रूप से न हटे।



उत्तर प्रदेश में चुनावी प्रतिस्पर्धा का एक प्रमुख पक्ष सरकार के कामकाज और विपक्ष की वैकल्पिक नीतियों के बीच तुलना होगी। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषय सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। राजनीतिक दलों के लिए केवल आरोप-प्रत्यारोप पर्याप्त नहीं होंगे। जनता यह जानना चाहेगी कि पिछले कार्यकाल में घोषित योजनाओं से कितना लाभ मिला, अधूरे कार्य कब पूरे होंगे और आगामी पांच वर्षों के लिए दलों के पास क्या ठोस कार्यक्रम है। चुनावी घोषणाओं की विश्वसनीयता और उन्हें लागू करने की क्षमता भी चर्चा के केंद्र में रह सकती है।

उत्तराखंड और गोवा में भी सत्तारूढ़ भाजपा के सामने अपने कामकाज का हिसाब जनता के सामने रखने की चुनौती होगी। उत्तराखंड में पर्यटन, रोजगार, पलायन, आपदा प्रबंधन, सड़क संपर्क और स्थानीय संसाधनों से आजीविका जैसे प्रश्न महत्वपूर्ण रहेंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता तथा गांवों से पलायन रोकने के प्रयासों का मूल्यांकन किया जा सकता है। गोवा में पर्यटन उद्योग, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार, यातायात, नागरिक सुविधाएं और विकास परियोजनाओं से जुड़े प्रश्न चुनावी चर्चा को प्रभावित कर सकते हैं। दोनों राज्यों में सरकार की उपलब्धियों के साथ विपक्ष के आरोपों और वैकल्पिक प्रस्तावों पर भी मतदाताओं की नजर रहेगी।

पंजाब का राजनीतिक परिदृश्य इन चार राज्यों से अलग है। यहां आम आदमी पार्टी की सरकार है और आगामी चुनाव में कानून व्यवस्था, नशे की समस्या, रोजगार, कृषि, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक बहस होने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से वर्ष 2029 तक पंजाब को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य व्यक्त किया जा चुका है। ऐसे में नशे के कारोबार पर नियंत्रण, युवाओं को इससे बचाने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के प्रयास राजनीतिक चर्चा में महत्वपूर्ण स्थान पा सकते हैं। राज्य सरकार के सामने यह बताने की चुनौती होगी कि कानून व्यवस्था सुधारने, अपराध पर नियंत्रण रखने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के मामले में क्या प्रगति हुई है। महिलाओं की सुरक्षा और उनके लिए घोषित योजनाओं का क्रियान्वयन भी मतदाताओं के आकलन का हिस्सा बनेगा।

मणिपुर में चुनावी परिस्थितियां विशेष रूप से संवेदनशील रहेंगी। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष ने राज्य के सामाजिक जीवन, सुरक्षा व्यवस्था और सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया है। हिंसा के कारण हजारों परिवारों को विस्थापन का सामना करना पड़ा और बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से दूर रहने को मजबूर हुए। विस्थापित परिवारों की सुरक्षित वापसी, पुनर्वास, राहत व्यवस्था, शांति बहाली और विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास कायम करना राज्य के सामने प्रमुख चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों का चुनावी विमर्श पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। भाजपा को अपने शासनकाल में सुरक्षा और शांति बहाली के प्रयासों पर जवाब देना होगा, जबकि विपक्ष भी सरकार की नीतियों और उनके परिणामों को लेकर सवाल उठा सकता है। मतदाताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही होगा कि स्थायी शांति और सामान्य जनजीवन की बहाली के लिए कौन-से व्यावहारिक उपाय सामने रखे जाते हैं।

कांग्रेस के सामने भी इन पांच राज्यों में अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती रहेगी। पार्टी मतदाता सूची के पुनरीक्षण, लोकतांत्रिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और सरकारों की जवाबदेही जैसे विषयों को उठा सकती है। हालांकि, किसी भी मुद्दे का राजनीतिक लाभ तभी व्यापक जनसमर्थन में बदल सकता है, जब उसके साथ ठोस तथ्य, स्पष्ट कार्यक्रम और स्थानीय समस्याओं के समाधान की योजना प्रस्तुत की जाए। इसी तरह भाजपा और अन्य सत्तारूढ़ दलों को भी अपनी उपलब्धियों के साथ उन क्षेत्रों पर जवाब देना होगा, जहां जनता अपेक्षित सुधार की मांग कर रही है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के लिए सरकार के प्रदर्शन का मूल्यांकन महत्वपूर्ण होगा, जबकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा को अपने शासन और नीतियों के आधार पर जनता के सवालों का सामना करना पड़ेगा।

निर्वाचन आयोग की तैयारियों के बीच मतदाता सूची का पुनरीक्षण, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, चुनावकर्मियों का प्रशिक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और सुरक्षा प्रबंधन जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं। चुनाव की विश्वसनीयता केवल मतदान के दिन की व्यवस्था से नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता से तय होती है। राजनीतिक दलों को भी आरोप लगाने के साथ अपने दावों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और मतदाताओं को भ्रमित करने वाली सूचनाओं से बचना चाहिए।

वर्ष 2027 के ये पांच विधानसभा चुनाव विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा का अवसर बन सकते हैं। फिलहाल निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता तैयारियों की समीक्षा और निष्पक्ष मतदान के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत करना है। चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा के बाद राजनीतिक दलों की रणनीतियां अधिक स्पष्ट होंगी। अंतत: मतदाताओं के सामने विभिन्न दलों के दावों, कार्यों और भविष्य की योजनाओं की तुलना करने का अवसर होगा। लोकतंत्र की सार्थकता इसी में है कि चुनावी प्रतिस्पर्धा केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम न बने, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान और जवाबदेह शासन की दिशा में ठोस पहल का आधार भी बने।

-कांतिलाल मांडोत

सोना-चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में [illegible] ... 24 कैरेट सोना 100 ग्राम ... 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम ... 22 कैरेट में 3,300 रुपये की ... 2,20,900 रुपये प्रति किलो ... 15,000 रुपये ... 112 डॉलर प्रति बैरल ... 27-28 अक्टूबर ... [illegible]

फिक्की ने नीदरलैंड से भारत में विनिर्माण, तकनीक निवेश बढ़ाने का किया आह्वान

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय उद्योग संगठन फिक्की ने नीदरलैंड के भारत के विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया है। [illegible]

बीयर-सॉफ्ट ड्रिंक पर एल्युमिनियम कैन का संकट

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में बीयर और सॉफ्ट ड्रिंक्स के ... एल्युमिनियम कैन की कमी ... 25 फीसदी ... 60 करोड़ ... 25-30 फीसदी ... [illegible]

शेयर बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों की सुरक्षा के लिए सेबी के बड़े बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी। आम निवेशकों की सुरक्षा को ... सेबी ... [illegible]

कंपनियों के तिमाही नतीजे और कच्चा तेल तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह ... 28 अक्टूबर ... [illegible]



पीएनबी का लागत-आय अनुपात घटाने पर जोर

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ... 2028-29 ... 45 प्रतिशत ... 50.58 प्रतिशत ... 4,000 करोड़ ... 5,532 करोड़ ... 1,000 करोड़ रुपये के ... [illegible]

वैश्विक कर्ज संकट-34,000 लाख करोड़ का बोझ, यूरोप में बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। एजेंसी। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं ... 34,675 लाख करोड़ ... 2025 ... 3.41 ... 2010-2012 ... 3,993 लाख करोड़ ... 2,117.5 लाख करोड़ ... 333 ... 2026 ... 83.4 फीसदी ... [illegible]



मेष- [illegible]

वृषभ- [illegible]

मिथुन- [illegible]

कर्क- [illegible]

सिंह- [illegible]

कन्या- [illegible]

तुला- [illegible]

वृश्चिक- [illegible]

धनु- [illegible]

मकर- [illegible]

कुंभ- [illegible]

मीन- [illegible]

शब्दजाल - 8431

[illegible]

शब्दजाल - 8430 का हल

[illegible]

दैनिक पंचांग

[illegible]

प्रसंगतः पश्चाताप

कर्णवास का एक पीड़ित महर्षि दयानंद सरस्वती को प्रतिदिन गालियाँ दिया करता था, पर महर्षि शांत भाव से उन्हें सुनते रहते और उसे कुछ भी उत्तर न देते। एक दिन जब वह गाली देने नहीं आया तब महर्षि ने लोगों से उसके न आने का कारण पूछा। लोगों ने बताया, 'वह बीमार है।' महर्षि फल और औषध लेकर उसके घर पहुंचे। वह महर्षि को देखकर उनके चरणों में गिर पड़ा और अपने उग्र व्यवहार के लिए क्षमा माँगने लगा। इसके बाद उसका गाली देना सदा के लिए छूट गया।

फिल्म वर्ग पहेली - 7365

[illegible]

सूडोकू बवाल- 7674

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के बॉक्स में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू बवाल- 7673 का हल

[illegible]

शब्द पहेली - 8889

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली आवाज-3
2. ओट, छिपाव-3
4. [illegible]-3
6. कपड़े की दीवार-3
7. हिसाब-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. पतन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. [illegible]-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्वास, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. [illegible]-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, घटा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संगति-2
24. विष, गरल-3
25. [illegible]-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आवरण, शरण-2
3. [illegible]-2
4. [illegible]-3
5. इंकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. [illegible]-3
10. पद, कुलीन-3
11. [illegible]-3
12. युद्ध, रण-3
14. आराम-3
15. [illegible]-3
16. डंडा-3
17. चमत्कार, प्रमाण-3
18. [illegible]-3
19. जो कभी वृद्ध न हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. [illegible]-2

शब्द पहेली - 8888 का हल

[illegible]

दीपावली की आहट-मिट्टी के दीयों से सजने लगे बाजार

कृत्रिम रोशनी के बीच बरकरार है पारंपरिक दीपों का आकर्षण, स्थानीय कुम्हारों के हुनर को सम्मान देने की अपील

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही लांजी क्षेत्र के बाजारों की रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर रंग-बिरंगी सजावट के साथ अब मिट्टी के दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, गुल्लक और मिट्टी से निर्मित पूजन सामग्री भी सजने लगी हैं। त्योहार को लेकर कुम्हारों के चाक ने भी रफ्तार पकड़ ली है। मिट्टी को अपने हुनर से आकार देकर तैयार किए गए छोटे-बड़े और आकर्षक दीये बाजार की शोभा बढ़ा रहे हैं। आधुनिक सजावटी सामग्री और कृत्रिम रोशनी के बढ़ते चलन के बीच मिट्टी के दीये आज भी दीपावली की परंपरागत पहचान बने हुए हैं। दीपावली और मिट्टी के दीये का रिश्ता सदियों पुराना है। घर की चौखट पर जलता मिट्टी का दीप केवल अंधकार दूर करने वाली लौ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और शिल्पकला का प्रतीक भी है। बदलते समय में विद्युत झालरों और कृत्रिम दीयों ने अपनी जगह बनाई है, लेकिन तेल और बाती से जगमगाते मिट्टी के दीपों का आकर्षण आज भी बरकरार है। यही कारण है कि दीपावली आते ही बाजारों में मिट्टी से तैयार सामग्री की मांग बढ़ जाती है। दीयों और देवी-देवताओं की मूर्तियों के साथ मिट्टी के गुल्लक भी बाजार में आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। बदलते दौर में बच्चों के बीच भले ही आधुनिक वस्तुओं का आकर्षण बढ़ा हो, लेकिन मिट्टी का गुल्लक



आज भी बचत की सीख देने वाली पारंपरिक वस्तु के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। दीपावली पर बच्चों को मिट्टी का गुल्लक उपहार में देना उन्हें बचत की आदत के साथ अपनी मिट्टी और पारंपरिक शिल्प से परिचित कराने का अच्छा माध्यम हो सकता है।

चाक घूमता है तो मिट्टी में उतरता है हुनर

कुम्हार के चाक पर घूमती मिट्टी को देखकर शायद अंदाजा लगाना मुश्किल हो कि कुछ ही क्षणों में यही मिट्टी एक सुंदर दीये का आकार ले लेगी। पीढ़ियों से चली आ रही इस कला को आज भी कुम्हार परिवार अपने हुनर से जीवंत बनाए हुए हैं। मिट्टी का चयन करने से लेकर उसे तैयार करने, चाक पर आकार देने, धूप में सुखाने और भट्ठी में पकाने तक हर चरण में अनुभव और मेहनत की जरूरत होती है। दीपावली से पहले यही हुनर अपनी पूरी रंगत में दिखाई देता है। कोई छोटे पारंपरिक दीये तैयार करता है तो कोई बड़े और आकर्षक दीप। इसी मिट्टी से लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, गुल्लक और पूजा में उपयोग होने वाली अनेक वस्तुएं भी आकार लेती हैं। बाजार में सजी ये वस्तुएं केवल त्योहार की सामग्री नहीं, बल्कि स्थानीय शिल्प और वर्षों से चली आ रही कला की पहचान भी हैं।

कृत्रिम चमक के बीच मिट्टी के दीपों की बात ही अलग

बाजार में सजावटी रोशनी के अनेक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन मिट्टी के दीयों की कतार से जगमगाता घर-आंगन दीपावली को अलग ही स्वरूप देता है। देहरी पर दीपों की पंक्ति, आंगन में रंगोली के चारों ओर जगमगाते दीये और पूजा स्थल पर जलती दीप ज्योति आज भी पर्व की पारंपरिक सुंदरता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे में इस दीपावली कृत्रिम रोशनी के साथ मिट्टी के दीयों को प्राथमिकता देकर घर-आंगन रोशन करने का संकल्प लिया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर तैयार दीये और मिट्टी की पूजन सामग्री खरीदना न केवल त्योहार की परंपरा से जुड़ने का माध्यम है, बल्कि स्थानीय कला और कारीगरों के हुनर को प्रोत्साहित करने का भी बेहतर तरीका है।

मोलभाव से पहले याद रखें, इन हाथों ने मिट्टी को दिया है आकार

दीपावली की खरीदारी में मोलभाव आम बात है, लेकिन मिट्टी के दीये खरीदते समय उनके पीछे लगी मेहनत को भी याद रखना चाहिए। बाजार में कुछ रुपये में मिलने वाला एक दीया कई चरणों से गुजरकर हमारे घर की देहरी तक पहुंचता है। मिट्टी को तैयार करने से लेकर चाक पर आकार देने, सुखाने, भट्ठी में पकाने और फिर बाजार तक पहुंचाने में समय और श्रम दोनों लगते हैं। इसलिए मिट्टी के दीये, मूर्तियां या अन्य सामग्री खरीदते समय केवल उनकी कीमत नहीं, उनमें समाए हुनर को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उचित मूल्य देकर किसी स्थानीय कारीगर से सामान खरीदना उसकी कला और मेहनत के प्रति सम्मान व्यक्त करने का सरल माध्यम है।

दिघोरी और चिंचमटोला में हुआ निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य जांच शिविर

स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और समय पर बीमारियों की पहचान के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल लांजी, जिला बालाघाट द्वारा 24 और 25 अक्टूबर को



ग्राम दिघोरी एवं चिंचमटोला में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। शिविर में लोगों को स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संस्था की इस पहल से ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने का अवसर मिला। महावीर इंटरनेशनल का मूल मंत्र 'सबकी सेवा, सबको प्यार' है। इसी भावना के साथ संस्था सेवा, प्रेम और शांति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। दोनों गांवों में आयोजित शिविर इसी सेवा अभियान का हिस्सा रहे। शिविर में देव जी नेत्रालय के प्रशिक्षित चिकित्सक कर्मवीर सिंह एवं उनके सहयोगी अरशद खान ने अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान जांच के लिए पहुंचे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

स्थानीय स्तर पर मिलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा

महावीर इंटरनेशनल के जोन चेयरमैन महाकौशल एवं लांजी केंद्र के चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य प्राणीमात्र की सेवा करना और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को जांच, परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सामान्य स्वास्थ्य जांच और परामर्श के लिए दूर-दराज के स्थानों तक जाना पड़ता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से लोगों को सुविधा मिलेगी और समय पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी। चयनित मरीजों को आगे की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा।

सेवा और समर्पण से समाज निर्माण का संकल्प

विशाल राउत खोंगल ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने नजदीकी महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्र पहुंचकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य किसी जाति, धर्म या आयु वर्ग तक सीमित नहीं होना चाहिए। समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं और सेवा का संदेश पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है।

कालीमाटी पुलिया पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो गंभीर घायल

लगातार दूसरे दिन सड़क हादसे से बढ़ी चिंता, प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गोंदिया रेफर किया





पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। एक दिन पहले ही एक गंभीर सड़क हादसे में महिला की जान चली गई थी और रविवार 25 अक्टूबर की देर शाम एक और बड़ी दुर्घटना सामने आई। लांजी क्षेत्र की कालीमाटी पुलिया पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को बेहतर उपचार के लिए महाराष्ट्र के गोंदिया रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहेकी निवासी धुरेन्द्र पिता लक्ष्मणसिंह बनाफरे (32) और खजरी निवासी राजकुमार पिता कौड़ू घोरमारे (40) इस दुर्घटना में घायल हुए हैं। धुरेन्द्र के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि राजकुमार का एक पैर टूटने के साथ ही बाईं आंख की पुतली और चेहरे पर भी गंभीर चोटें आई हैं। बताया जाता है कि राजकुमार घोरमारे अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमएम 6154 से ससुराल सहेकी आया था। रविवार शाम वह सहेकी से अपने घर खजरी लौट रहा था। दूसरी ओर सहेकी निवासी धुरेन्द्र बनाफरे मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेडजे 8054 से लांजी बाजार से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान कालीमाटी पुलिया के पास दोनों मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि धुरेन्द्र सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट आई। वहीं राजकुमार का एक पैर टूट गया तथा उसकी बाईं आंख और चेहरे पर भी गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। चोटों की गंभीरता को देखते हुए धुरेन्द्र बनाफरे को बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रेफर किया गया। वहीं राजकुमार घोरमारे को भी प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रेफर कर दिया गया।

लगातार दूसरे दिन गंभीर हादसे से बढ़ी चिंता

क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन हुई गंभीर सड़क दुर्घटना ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एक दिन पहले ही एक गंभीर हादसे में एक महिला की जान चली गई थी। उस घटना के अगले ही दिन कालीमाटी पुलिया पर दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। लगातार हो रहे हादसों के बीच वाहन चालकों से भी यातायात नियमों का पालन करने, नियंत्रित गति से वाहन चलाने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने की आवश्यकता एक बार फिर सामने आई है। खासकर शाम और रात के समय वाहन चलाते हुए अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। फिलहाल लांजी पुलिस घटना के संबंध में जानकारी जुटा रही है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन से कारण जिम्मेदार रहे, इसकी स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बहेला पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रिसेवाड़ा में घर के पीछे बाड़ी से 325 लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त

31 पेटियों में रखी देशी-विदेशी शराब की कीमत करीब 1.72 लाख रुपए, आरोपी गिरफ्तार; अन्य संलिप्त लोगों की तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बहेला पुलिस ने ग्राम रिसेवाड़ा में दबिश देकर 325 लीटर 950 मिलीलीटर अवैध देशी-विदेशी शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से 31 पेटियों में रखी शराब बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 72 हजार रुपए बताई गई है। मामले में पुलिस ने आरोपी फाल्गुराम मस्करे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से शराब जब्त की है। पुलिस अब इस मामले में अन्य संभावित सहयोगियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 25 अक्टूबर 2026 को थाना बहेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम रिसेवाड़ा निवासी फाल्गुराम मस्करे के घर में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में जांच की। इस दौरान आरोपी के घर के पीछे स्थित बाड़ी में 31 खाकी रंग की पेटियों में रखी देशी-विदेशी शराब और बोतलें बरामद हुईं। जब्त शराब की कुल मात्रा 325 लीटर 950 मिलीलीटर आंकी गई, जिसकी कीमत लगभग 1.72 लाख रुपए बताई गई है।

लाइसेंस नहीं दिखा पाया आरोपी

पुलिस के अनुसार, शराब रखने के संबंध में वैध लाइसेंस या अनुमति के बारे में पूछताछ करने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। इसके बाद पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार



किया। मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि अवैध शराब कहां से लाई गई थी और इसके कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई

यह कार्रवाई बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर नितेश भार्गव तथा एसडीओपी लांजी मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। बहेला थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सक्सेना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक सनुक सैयाम, सूरेश पांचे, आरक्षक शुभम मिश्रा, जितेंद्र सेन, ऋतिक पारधी, सुनील कुमार तथा एसएसयू के राधा, काजल, रोहित और भूपेंद्र की भूमिका रही। पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

कारंजा के बालभाऊ देवरस सेवा न्यास में हुआ नेत्र जांच शिविर, 225 लोगों का परीक्षण, 70 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। लांजी। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को कारंजा स्थित श्री बालासाहब एवं भाऊराव देवरस माध्यमिक प्रशिक्षण केंद्र में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। माधव नेत्रालय नागपुर के सहयोग से आयोजित शिविर में क्षेत्र के 225 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 70 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से नेत्र परीक्षण एवं परामर्श का लाभ लिया। रविवार, 25 अक्टूबर को आयोजित शिविर में माधव नेत्रालय नागपुर से डॉ. हितेश यादव सहित सात सदस्यीय चिकित्सकीय दल ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों की आंखों की जांच की और नेत्र संबंधी समस्याओं के आधार पर आवश्यक परामर्श दिया। जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए 70 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। क्षेत्र में कई लोग आर्थिक कठिनाइयों, जागरूकता की कमी अथवा विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं तक सीमित पहुंच के कारण समय पर आंखों की जांच नहीं करा पाते हैं। ऐसे में निःशुल्क शिविर के माध्यम से लोगों को अपने ही क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराने का अवसर मिला।शिविर के दौरान आंखों से संबंधित विभिन्न समस्याओं की जांच कर लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से मोतियाबिंद की पहचान पर ध्यान दिया गया। जांच में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से क्षेत्र में इस प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता और इनके प्रति लोगों की जागरूकता भी सामने आई। इस अवसर पर न्यास के सचिव सचिन अग्रवाल, सहसचिव नरेंद्र वाजपेयी,



अग्रवाल तथा प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे सहित विद्यालय के आचार्य उपस्थित रहे। शिविर को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में विद्यालय के आचार्यों एवं दीदियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। आयोजकों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले चिकित्सकीय दल, विद्यालय परिवार और अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शिक्षक भर्ती गड़बड़ी की 50 दिन बाद जांच शुरू

जिप सीईओ ने गठित की दो सदस्यीय समिति - सात दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। जिला परिषद के अंतर्गत पवित्र पोर्टल के माध्यम से वर्ष 2025-26 में की गई सहायक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बाद आखिरकार 50 दिन बाद जांच समिति गठित की गई है. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनितचंद्र दोतुला ने इस संबंध में आदेश जारी किए. इससे शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी के आरोपों की जांच का रास्ता साफ हो गया है.

पवित्र पोर्टल के माध्यम से हुई शिक्षक भर्ती में पात्रता और पसंदक्रम निर्धारित करते समय अनियमितता किए जाने का आरोप लगाते हुए राजेश्वरी मानदास बसना सहित अन्य उम्मीदवारों ने संबंधित अधिकारियों के पास बार-बार शिकायतें दर्ज कराई थीं. इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिला परिषद प्रशासन ने जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया है. हालांकि, समिति गठित करने के लिए 50 दिनों तक इंतजार करना पड़ा. अब समिति को सात दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं. इससे मामले में जल्द स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद जताई जा रही है. अब देखना होगा कि जांच निष्पक्ष तरीके से पूरी होती है या नहीं और पात्र उम्मीदवारों को न्याय मिल पाता है या नहीं.



दो वरिष्ठ अधिकारियों को जांच की जिम्मेदारी

इस मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की गई है. इसमें अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी तानाजी लोखंडे और शिक्षाधिकारी (योजना) सुधीर महानमुगे को शामिल किया गया है. आदेश के अनुसार, समिति को शिकायतों के सभी पहलुओं की गहन और निष्पक्ष जांच कर सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी.

जिला परिषद की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हिंदी माध्यम के पात्र उम्मीदवारों के साथ अन्याय होने का मुद्दा पहले भी उठाया गया था. उम्मीदवारों की मांग है कि उनकी पात्रता और भर्ती नियमों के अनुसार उन्हें न्याय मिले तथा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को दूर किया जाए, अब जांच समिति गठित होने के बाद उम्मीदवारों को उम्मीद है कि पूरे मामले की वास्तविकता सामने आएगी. जांच में शिकायतों में कितनी सच्चाई पाई जाती है और भर्ती प्रक्रिया को लेकर कौन-से तथ्य सामने आते हैं, इस पर उम्मीदवारों के साथ ही शिक्षा क्षेत्र की भी नजरें टिकी हुई हैं।

सर्वम इटेरिओ के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध होंगे बेहतरीन विकल्प - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। गोंदिया के सुप्रसिध्द ओम फिल्मस परिवार की नुतन प्रतिष्ठान सर्वम इटेरिओ का शुभारंभ पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक शिवबाबू अग्रवाल एवं उनके सुपुत्र पर्वबाबू अग्रवाल तथा संपूर्ण परिवार को प्रतिष्ठान की प्रगती-उन्नती के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर उपस्थितों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, यह हर्ष का विषय है की, उनके परिवार की युवा पीढ़ी पारिवारीक व्यापार को नवीन सोच और तकनीक के साथ आगे ले जा रही है। निश्चित रुप से परिवार का यह नवीन प्रतिष्ठान व्यापार की नई ऊंचाईयों पर पहुँचेगा। साथ ही क्षेत्र के नागरीकों को मकान निर्माण के लिए और भी बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करायेंगा। उल्लेखनीय है कि, सर्वम इटेरिओ प्रतिष्ठान में मुख्यतः सेरा तथा एशियन पेंटस कम्पनी के टाईल्स, मार्बलस, नल फिटिंग एवं संपूर्ण बाथरुम फिटिंग्स की रेंज उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में प्रमुखता से सांसद राजेन्द्र जैन, आमदार विनोद अग्रवाल, प्रतिष्ठान के संचालक रामबाबू अग्रवाल, शिवबाबू अग्रवाल, पर्व अग्रवाल, महाविरप्रसादजी अग्रवाल, जगदिशजी अग्रवाल, निखिल जैन, श्यामबाबू अग्रवाल, मनोज पटनायक, अरमान जायसवाल, अपूर्व अग्रवाल, शकील मन्सुरी, राकेश ठाकुर सहित गणमान्य नागरीक उपस्थित थे।



सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर से 1.39 लाख की ठगी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। साइबर ठगों ने नागपुर रेल मंडल के सहायक कार्मिक अधिकारी के नाम पर एक सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर को निशाना बनाते हुए उनके बैंक खाते से 1 लाख 39 हजार 175 रु. निकाल लिए. आरोपी ने व्हाट्सऐप पर, क्क फाइल भेजी और वीडियो कॉल के जरिए खुद को रेलवे अधिकारी बताकर बैंक खाते, एटीएम पिन और पीपीओ नंबर सहित महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की. इस मामले में गोंदिया शहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

जानकारी के अनुसार, कुंभारेनगर निवासी फिर्यादी गणेश वामन चौव्हान (61) रेलवे विभाग से स्टेशन मास्टर के पद से सेवानिवृत्त हैं. अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 7652837446 से उनके व्हाट्सऐप पर, क्क फाइल भेजी. इसके बाद वीडियो कॉल कर खुद को नागपुर स्थित डीआरएम रेल मंडल कार्यालय का सहायक कार्मिक अधिकारी बताया. आरोपी ने अधिकारी होने का झूठा दावा कर फिर्यादी को भरोसे में लिया और उससे बैंक खाते, एटीएम पिन तथा पीपीओ नंबर जैसी जानकारी हासिल कर ली. इसके बाद फिर्यादी के बैंक खाते से कथित तौर पर 1,39,175 रु. निकाल लिए. खाते से रकम निकाले जाने का पता चलने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे कर रहे हैं.

लाठी से वृद्ध पर प्रहार

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। ग्रामीण थाने के तहत टेमनी निवासी सागरताबाई डोमा उईके (70) अपने घर पर थी. इस दौरान आरोपी लाजवंती मुकेश उईके (40) की लड़की सीताफल के पेड़ से कच्चे सीताफल तोड़ते हुए दिखाई दी. फिर्यादी ने उसे कच्चे सीताफल क्यों तोड़ रही है, पकने दे, ऐसा कहा. जिस पर आरोपी ने फिर्यादी के साथ गालीगलौज कर लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें सागरताबाई घायल हो गई. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार माने कर रहे हैं.

बस की बाइक को टक्कर, तीन घायल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत सानगड़ी से दिघोरी मार्ग पर स्थित डोंगरगांव जंगल परिसर में एसटी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें तीन युवक गंभीर रुप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, भंडारा जिले के तावशी निवासी फिर्यादी करण विष्णु फूंडे (19), प्रशिक प्रमोद शेंडे (23) व जगदिश नामदेव राखडे (30) मोटरसाइकिल से सानगड़-दिघोरी होते हुए तावशी गांव जा रहे थे. इसी बीच डोंगरगांव जंगल परिसर में एसटी बस के चालक ने अपनी बस लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें तीनों घायल हो गए. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार हुकरे कर रहे हैं.

कुल्हाड़ी से मारकर किया घायल

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत पोकेटोला निवासी फिर्यादी समीर उमराव शहारे (21) गांव के शारदा विसर्जन में नाच रहा था. इसी बीच आरोपी अनिकेत परतेकी (18) को उसका हाथ लग गया. जिसके बाद आरोपी अनिकेत व युवराज परतेकी (45) ने उसके साथ गालीगलौज कर मारपीट की. इस बीच फिर्यादी के भाई सागर ने आरोपियों से कहा कि गालीगलौज किसे कर रहे हो. जिस पर आरोपी युवराज ने कुल्हाड़ी से उसके सिर पर प्रहार कर दिया. जिसमें सागर घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक कोलते कर रहे हैं.

गोंदिया-काचेवानी रेलवे ट्रैक पर बो-स्ट्रिंग गर्डर की लांचिंग

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल ने रेल संरक्षा, आधुनिक अवसंरचना विकास और यात्री सुविधाओं को



बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. मंडल के गोंदिया-काचेवानी रेलखंड में समपार फाटक संख्या 515 पर 48 मीटर लंबे बो-स्ट्रिंग गर्डर की लॉचिंग सफलतापूर्वक संपन्न की गई. इसके साथ ही मंडल में ट्रैक नवीनीकरण, टर्नआउट अनुरक्षण, मशीन आधारित टैंपिंग और स्लीपर नवीनीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी पूरे किए गए.

यह कार्य दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर श्री गौरव गजरानी की अगुवाई व संबंधित विभागों के अधिकारियों, इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से संपन्न हुए. गोंदिया-काचेवानी रेलखंड के समपार फाटक संख्या 515 पर 48 मीटर लंबे बो-स्ट्रिंग गर्डर की सफल लॉचिंग इस कार्य की प्रमुख उपलब्धि रही. यह महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य सुनियोजित कार्ययोजना, तकनीकी दक्षता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ पूरा किया गया. गर्डर की स्थापना से संबंधित संरचना को मजबूती मिलेगी तथा समपार क्षेत्र में सड़क उपयोगकर्ताओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने में सहायता मिलेगी. इस प्रकार के कार्य रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण और क्षेत्र की यातायात संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

सोते हुए मजदूरों पर झपटने की तैयारी में था तेंदुआ

वनरक्षक की सतर्कता से बची जान - नवेगांवबांध राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की घटना

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। धान की चुराई के लिए पंजाब से आए मजदूर रात के समय खुले में गहरी नींद में सो रहे थे. इसी दौरान एक तेंदुआ उनकी ओर बढ़ने लगा. तभी गश्त पर निकले वन विभाग के बीट गार्ड की नजर उस पर पड़ गई. वनरक्षक ने तत्काल जोर से आवाज लगाई, जिससे तेंदुआ वहां से भाग गया. वनरक्षक की सतर्कता और समय रहते दिखाई गई सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया और सो रहे मजदूरों की जान बच गई. यह घटना 24 अक्टूबर की रात नवेगांवबांध राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में हुई.

वर्तमान में धान कटाई और चुराई का सीजन चल रहा है. इसके चलते खेतों में कृषि कार्य तेजी से जारी है. किसान आधुनिक मशीनों की मदद से भी धान की मड़ाई करा रहे हैं. इसी काम के लिए पंजाब से तीन धान चुराई मशीनों के साथ मजदूरों का दल



नवेगांवबांध क्षेत्र में आया था. जानकारी के अनुसार, प्रत्येक मशीन के साथ सात मजदूरों का समूह था. दिनभर चुराई का काम करने के बाद मजदूर रात में आराम के लिए जगह तलाश रहे थे. 24 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे उन्होंने नवेगांवबांध राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में वन विभाग की कॉलोनी के पास डेरा डाला. भोजन करने के बाद सभी मजदूर खुले में ही सो गए. रात करीब 11 बजे वन विभाग के बीट गार्ड विकांत ब्राम्हणकर चौपहिया वाहन से गश्त करते हुए वहां पहुंचे. इसी दौरान उनकी नजर सो रहे मजदूरों की ओर बढ़ रहे तेंदुए पर पड़ी. तेंदुआ मजदूरों पर झपटने की तैयारी में था. खतरे को भांपते हुए ब्राम्हणकर ने बिना देर किए जोर से आवाज लगाई. अचानक हुई आवाज से तेंदुआ वहां से भाग निकला. बीट गार्ड की सतर्कता से संभावित अनहोनी टल गई. यदि समय रहते उनकी नजर तेंदुए पर नहीं पड़ती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

विजय रहांगडाले के स्वास्थ्य महाशिविर को उत्स्फूर्त प्रतिसाद

1,100 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच - विशेषज्ञ डाक्टरों ने दी निःशुल्क चिकित्सा सलाह



पदमेश न्यूज़। गोंदिया। तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के आम नागरिकों, जरूरतमंदों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक विजय रहांगडाले की पहल पर आयोजित स्वास्थ्य महाशिविर को उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला. शिविर में 1,100 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई. शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, रक्त जांच, आंखों की जांच, दवाओं का वितरण तथा विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा मार्गदर्शन किया गया.

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं. वहीं, आर्थिक कठिनाइयों के कारण अनेक नागरिक समय पर उपचार नहीं करा पाते. इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए विधायक रहांगडाले की पहल पर इस महाशिविर का आयोजन किया गया. शिविर के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है. महाशिविर में हृदयरोग, मधुमेह, अस्थिरोग, स्त्रीरोग, बालरोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच और उपचार संबंधी मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम उपस्थित रही. जरूरतमंद मरीजों को आगे के उपचार के संबंध में भी सलाह दी गई. एक ही स्थान पर विभिन्न चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को सुविधा मिली. कार्यक्रम में जिप अध्यक्ष लायकाम भैंडारकर, सेंट्रल हॉस्पिटल गोंदिया के संचालक डा. एल.एल. बजाज, रजनी कुंभरे, कृउबास सभापति जितेंद्र रहांगडाले, नप अध्यक्ष अशोक असाटी, पंस सभापति तेजराम चव्हाण, जिप सदस्य चतुर्भुज बिसेन, पवन पटले, माधुरी रहांगडाले, तुम्हेश्वरी बघेले, शैलेश नंदेश्वर, उपसभापति भूमेश्वर रहांगडाले, सुनंदा पटले, जिला शल्य चिकित्सक डा. पुरुषोत्तम पटले, राहुल शेंडे, दर्शना नंदागवळी, देवेंद्र तिवारी, उमाकांत हारोडे, ओम कटरे, हुपराज जमाईबार, चेतलाल भगत, अजाब रीनाईत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, डाक्टर तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

जिले के 3.01 लाख बच्चों को दी जाएगी कृमिनाशक गोली

27 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान के तहत गोंदिया जिले में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 3 लाख 1 हजार 620 बच्चों और किशोर-किशोरियों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए कृमिनाशक दवा दी जाएगी. इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग ने सूक्ष्म नियोजन किया है. जिले के आठ तहसीलों और शहरी क्षेत्र के लाभार्थियों की संख्या निर्धारित की गई है. यह अभियान 27 अक्टूबर को चलाया जाएगा. इस दिन दवा लेने से छूट जाने वाले बच्चों को 3 नवंबर को मॉप-अप दिवस पर दवा दी जाएगी। जिला परिषद के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. अभिजित गोल्हार के अनुसार, अभियान के तहत जिले के सभी सरकारी, अर्धसरकारी और निजी स्कूलों, कनिष्ठ महाविद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से निर्धारित लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 1 से 19 वर्ष तक के किसी भी पात्र बच्चे को अभियान के लाभ से वंचित न रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी की है. डा. गोल्हार ने बताया कि बच्चों के पेट में कीड़े होने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाते. इससे कुपोषण और गंभीर रक्ताल्पता यानी एनीमिया की समस्या उत्पन्न हो सकती है. बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण है. उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को स्कूलों और आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी. जो विद्यार्थी अनुपस्थित रहने या किसी अन्य कारण से दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें 3 नवंबर को मॉप-अप दिवस पर आशा स्वयंसेविकाओं और आंगनवाड़ी सेविकाओं की मदद से दवा दी जाएगी. स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों, शिक्षकों और आंगनवाड़ी सेविकाओं से अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया है, ताकि जिले के निर्धारित सभी बच्चों तक कृमिनाशक दवा पहुंचाई जा सके.

डा. वाघमारे ने अभिभावकों से बच्चों के नाखून नियमित रूप से काटने, भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धुलवाने तथा बाहर जाते समय चप्पल या जूते पहनने की आदत विकसित करने की अपील की. उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण की रोकथाम से बच्चों के पोषण और शारीरिक विकास में मदद मिल सकती है।

सालेकसा में गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश

पानगांव में 176 हरे पौधे जब्त, 11.51 लाख रु. का गांजा बरामद

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा तहसील के पानगांव में गांजे की अवैध खेती का मामला सामने आया है. गोपनीय सूचना के आधार पर सालेकसा पुलिस ने 23 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए एक खेत से गांजे के 176 हरे पौधे जब्त किए. इन पौधों का कुल गीला वजन 57.583 किलोग्राम बताया गया है. जब्त पौधों की अनुमानित कीमत 11 लाख 51 हजार 660 रु. बताई गई है.



पुलिस ने गांजे के हरे पौधों का मूल्यांकन 20 हजार रु. प्रति किलोग्राम के हिसाब से किया है. इस मामले में पानगांव निवासी धर्मदास दादूराम मनघटे (63) के खिलाफ सालेकसा पुलिस थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्रकुमार गवई की शिकायत के आधार पर की गई.

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे तथा अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे (कैप देवरी) के मार्गदर्शन में की गई. अभियान में आमगांव की उपविभागीय पुलिस अधिकारी नंदिनी चानपुरकर और सालेकसा पुलिस थाना प्रभारी रवी नागोसे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हिस्सा लिया. कार्रवाई में हवलदार सोंजाल, तुरकर, लांडगे, पुलिस नायक कानसकर, निमजे, सिपाही वेदक, बैस, गौतम, कटरे, चौहान शामिल थे. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक युवराज पोहरे कर रहे हैं.

तीन आरोपी एक महीने के लिए तड़ीपार

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और निर्विघ्न संपन्न कराने, जिले में सार्वजनिक शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गोंदिया पुलिस द्वारा लगातार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है. इसी कड़ी में तिरोड़ा थाना क्षेत्र में अवैध हाथभट्टी शराब की बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को एक महीने के लिए तड़ीपार किया गया है. तड़ीपार किए गए आरोपियों में मेहंदीपुर निवासी विशाल उर्फ यशवंत सूर्यवंशी (38), अहिंसात सूर्यवंशी (53), व करटी निवासी अनिल कुकड़े (32) का समावेश है.जानकारी के अनुसार, इन लोगों के खिलाफ पहले भी कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी, लेकिन उनके व्यवहार में सुधार नहीं हुआ. अवैध हाथभट्टी शराब की बिक्री के कारण गांव और आसपास के क्षेत्रों में नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. शराब के कारण विवाद और झगड़ों की घटनाएं होने से कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो रही थी. इसे देखते हुए पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर तड़ीपारी की कार्रवाई की. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देश व उपविभागीय पुलिस अधिकारी (गोंदिया) गजानन गुल्हाने, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में तिरोड़ा पुलिस थाना प्रभारी अमित वानखड़े, हवलदार प्रकाश गायधने, छगन विछूते, तिरोड़ा थाने के सिपाही कैलास ठाकरे, हवलदार नितेश गोस्वामी ने की.

ग्रापं कंप्यूटर परिचालकों का मानधन अटका

पदमेश न्यूज़ गोंदिया। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ पहुंचाने वाले ग्राम पंचायत कंप्यूटर परिचालकों पर दिवाली से पहले आर्थिक संकट गहरा गया है. पिछले तीन माह से उनका मानधन बकाया है. वहीं, सरकारी कामकाज के लिए इंटरनेट का खर्च भी उन्हें अपनी जेब से उठाना पड़ रहा है. इससे नाराज महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कंप्यूटर परिचालक संगठन ने जिप सीईओ और तिरोड़ा के खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बकाया भुगतान तत्काल करने की मांग की है.

संगठन ने मांग की है कि कंप्यूटर परिचालकों का पिछले तीन माह से बकाया मानधन तत्काल जमा किया जाए. तकनीकी अड़चनों के कारण पिछले एक वर्ष से लंबित मानधन का भुगतान भी शीघ्र किया जाए, इसके अलावा, सरकारी कामकाज के लिए इस्तेमाल किए गए इंटरनेट का बकाया बिल और अन्य लंबित भत्ते दिवाली से पहले अदा किए जाएं. संगठन के तहसील अध्यक्ष कमलेश अनवादे ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 28 अक्टूबर को होने वाले राज्यव्यापी आंदोलन में शामिल होकर तीव्र आंदोलन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि कंप्यूटर परिचालक लगातार सरकारी कामकाज और ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन समय पर मानधन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रतिनिधि मंडल में कमलेश अनवादे, वैशाली तिडके, कैलास केवट, टोटाराम नेरकर, प्रकाश पटले, रीना राऊत आदि का समावेश था.



आमगांव पुलिस ने 18 गुम मोबाइल मालिकों को लौटाए

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव पुलिस ने उल्लेखनीय कामगिरी करते हुए पिछले चार महीनों में गुम हुए विभिन्न कंपनियों के 18 मोबाइल फोन खोज निकाले हैं. केंद्र सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल की मदद से तकनीकी तरीके से इन मोबाइलों का पता लगाया गया. बरामद मोबाइलों की कुल कीमत 2 लाख 30 हजार रु. बताई गई है. पुलिस निरीक्षक नीलकंठ कुकड़े के हाथों सभी मोबाइल उनके संबंधित मालिकों को लौटाए गए. आमगांव थाना क्षेत्र और आसपास के इलाकों से पिछले चार महीनों के दौरान विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें पुलिस को मिली थीं. इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस निरीक्षक नीलकंठ कुकड़े ने अपराध प्रकटीकरण शाखा के कर्मचारियों को गुम मोबाइलों का तकनीकी तरीके से पता लगाने के निर्देश दिए. इसके बाद इथब्रुक पोर्टल की सहायता से मोबाइलों की तलाश की गई और 18 फोन बरामद करने में सफलता मिली. मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित नागरिकों के चेहरों पर खुशी और संतोष दिखाई दिया. नागरिकों ने आमगांव पुलिस की इस कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया. यह कार्रवाई गोंदिया जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देशों व उपविभागीय पुलिस अधिकारी नंदिनी चांदूरकर के मार्गदर्शन में की गई.



अफगानिस्तान और बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट मुकाबले में टूटा नियम

एक गेंदबाज ने 10 की जगह 11 ओवर फेंके

अल अमीरात। अफगानिस्तान और बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट मुकाबले में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां अफगानिस्तान अंडर-19 टीम के कप्तान सोहेल खान ने बांग्लादेश अंडर-19 टीम के खिलाफ हुए एकदिवसीय मैच में 10 की जगह 11 ओवर फेंक दिए। इस प्रकार नीयम तोड़ने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ये मामला अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सामने उठाया है। यह वाकया अंडर-19 सीरीज़ के तीसरे मैच को है। जिसमें क्रिकेट नियमों का खुला उल्लंघन हुआ।



वहीं बीसीबी ने न केवल अतिरिक्त ओवर फेंकने का आरोप लगाया है, बल्कि अंपायरिंग के कुछ फैसलों पर भी सवाल उठाए हैं। बांग्लादेश अंडर-19 के कोच हसान सरकार ने कहा कि टीम ने मैच रेफरी यासिर लतीफजई से बात कर अपनी शिकायत को एक विशेष नोट के साथ कप्तान की रिपोर्ट में लगाया है।

यह विवाद तब सामने आया जब अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुभान जखैल 81 और शाह फैसल रहीमी 80 की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 237 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से अल अमीन होसेन ने छह विकेट लिए जिससे बांग्लादेश टीम 38.2 ओवर में 194 रन पर ही आउट हो गयी। सोहेल खान ने इस मुकाबले में दो विकेट हासिल किए थे।

कोच बताया कि इस गड़बड़ी का कारण आधिकारिक स्कोरिंग में हुई एक गलती थी। बांग्लादेशी टीम के पास आधिकारिक स्कोरर तक सीधी पहुँच नहीं थी और वे टीम मैनेजर के फोन पर स्कोरकार्ड देख रहे थे। उनके अपने विश्लेषक के रिकॉर्ड से पता चला कि सोहेल खान पहले ही 10 ओवर फेंक चुके थे पर जब तक बांग्लादेशी टीम का ध्यान इस पर गया, तब तक सोहेल ने अपना 11वां ओवर शुरू कर दिया था

इस नियम उल्लंघन का कारण ये था कि आधिकारिक स्कोरर ने गलती से उस ओवर को दूसरे गेंदबाज शाह फैसल रहीमी के नाम पर दर्ज कर दिया था, जिसने असल में गेंदबाजी की ही नहीं थी। दरअसल, पहले रहीमी ओवर फेंकने आने वाला था और उसने अपनी कैप अंपायर को भी दे दी थी पर अंतिम समय पर अफगानिस्तान कप्तान ने फैसला बदल दिया और स्वयं गेंदबाजी करने आ गए। इसके बावजूद, स्कोरर ने वह ओवर उस दूसरे खिलाड़ी के नाम दर्ज कर दिया, जिससे सोहेल खान के खाते में 10 ओवर ही दर्ज रहे। बांग्लादेश ने इस विवादित ओवर का वीडियो मैच रेफरी को भेज दिया है, जो इस मामले की आगे जांच करेंगे। यह घटना क्रिकेट नियमों की सटीकता और स्कोरिंग प्रोटोकॉल के महत्व को दिखाती है।

पडिक्कल और सुदर्शन ने भारत ए को संभाल, दूसरी पारी में बनाये 106/2

लिंकन। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन की अच्छी बल्लेबाजी से यहां जारी चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय ए टीम ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 106 रन बना लिए थे। वहीं पहली पारी में भारतीय टीम 113 रन पर ही निसमट गयी थी। भारत ए टीम दूसरी पारी में भी 10 रन पर दो विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही पर पडिक्कल और सुदर्शन ने अपनी बल्लेबाजी से टीम को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 106 रन बना लिए थे हालांकि वह अभी भी न्यूजीलैंड ए से 98 रन पीछे हैं।

वहीं पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में न्यूजीलैंड ए की कसी हुई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी और केवल 113 रन पर आउट होने हो गयी थी। इसके बाद दूसरी पारी में भी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल महज पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जबकि केएल राहुल सिर्फ चार रन का योगदान दे सके। इन दोनों के जल्दी आउट होने से टीम का स्कोर 10 रन पर दो विकेट हो गया, जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी।

इसके बाद पडिक्कल और सुदर्शन ने पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल से निकाला। पडिक्कल ने 89 गेंदों का सामना करते हुए नौ चौकों की मदद से नाबाद 56 रन की प्रभावशाली पारी खेली। वहीं सुदर्शन ने 104 गेंदों पर पांच चौकों के साथ नाबाद 39 रन बनाए।

वहीं इससे पहले, न्यूजीलैंड ए ने अपनी पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 317 रन बनाए और भारत ए पर 204 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। मेजबान टीम ने दूसरे दिन सुबह तीन विकेट पर 135 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनके बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। कप्तान रीस मारियू ने 137 गेंदों पर 76 रन बनाये जबकि डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज कर्टिस हीफी ने 44 और क्रिस्टियन क्लार्क 42 रन बनाये। भारतीय गेंदबाजों में अंशुल कंबोज और औकिब नबी ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि आकाश दीप को दो सफलताएं मिलीं। मुकेश चौधरी और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया। अब तीसरे दिन पडिक्कल और सुदर्शन की बल्लेबाजी पर भारतीय टीम की उम्मीदें रहेंगी।

श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर में श्री हनुमंत कथा का भव्य शुभारंभ

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। धार्मिक आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के पावन वातावरण में श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर, हीरापुर-भरवेली में श्री हनुमंत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा में ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मातृशक्ति, युवाओं, बुजुर्गों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा।बताया गया कि श्री हनुमंत कथा का यह आयोजन मंदिर में प्रस्तावित 205 फीट ऊंची भव्य श्री हनुमान जी महाराज की प्रतिमा एवं विशाल मंदिर निर्माण के महा-संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

भव्य कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमूह

कथा के शुभारंभ अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा में ग्राम की महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठजनों ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा ने ग्राम में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया। महिलाओं की विशेष सहभागिता और युवाओं के उत्साह ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ाया।कलश यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं ने श्री हनुमान



जी महाराज के प्रति अपनी आस्था प्रकट की और कथा के सफल आयोजन की मंगलकामना की। ग्रामवासियों की एकजुटता ने धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता का सुंदर संदेश दिया।

सुंदरकांड पाठ से भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर

श्री हनुमंत कथा के शुभारंभ के अवसर पर श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर परिसर में भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ कर प्रभु श्रीराम एवं संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना की। सुंदरकांड की चौपाइयों और भक्तिमय वातावरण से मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।पाठ के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। श्री हनुमान जी के अद्भुत पराक्रम, प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अनन्य भक्ति, सेवा, समर्पण और निष्ठा का स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने परिवार, ग्राम, क्षेत्र और समस्त समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की प्रार्थना की।सुंदरकांड पाठ ने उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, साहस, विश्वास और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस सामूहिक धार्मिक आयोजन ने समाज में एकता, सद्भाव और धार्मिक चेतना को मजबूत करने का संदेश दिया।

शरद पूर्णिमा पर खीर एवं महाप्रसाद का वितरण

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ खीर और महाप्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। खीर एवं महाप्रसाद वितरण के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।धार्मिक अनुष्ठान, सुंदरकांड पाठ और महाप्रसाद वितरण के संगम ने मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। इस आयोजन ने सेवा, समर्पण और सामूहिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित किया।

26 अक्टूबर से प्रतिदिन होगा श्री हनुमंत कथा का आयोजन

श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर में 26 अक्टूबर 2026 से प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्री हनुमंत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन श्री रोहित रिछारिया जी द्वारा किया जाएगा, जिन्हें आयोजकों के अनुसार बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी का परम शिष्य बताया गया है।प्रतिदिन चार घंटे तक चलने वाली इस कथा में श्रद्धालुओं को श्री हनुमान जी महाराज की महिमा, प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अनन्य भक्ति, धर्म एवं कर्तव्यनिष्ठा तथा जीवन में सेवा, साहस और समर्पण के महत्व को जानने और आत्मसात करने का अवसर मिलेगा।आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, मातृशक्ति, युवाओं, वरिष्ठजनों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में विष्णुधाम मंदिर पहुंचकर श्री हनुमंत कथा का श्रवण करें और इस धार्मिक आयोजन में सहभागी बनें।

205 फीट ऊंची श्री हनुमान प्रतिमा के निर्माण का महा-संकल्प

श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर, हीरापुर-भरवेली में प्रस्तावित 205 फीट ऊंची भव्य श्री हनुमान जी महाराज की प्रतिमा एवं विशाल मंदिर निर्माण का संकल्प क्षेत्र की महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहल है। इस महा-संकल्प के माध्यम से क्षेत्र को धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहचान दिलाने तथा श्रद्धालुओं को सेवा, भक्ति और सामाजिक एकता के सूत्र में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।श्री हनुमंत कथा जैसे आयोजनों के माध्यम से जन-जागरण और जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि इस भव्य निर्माण संकल्प को साकार करने की दिशा में समाज का सहयोग प्राप्त हो सके।कलश यात्रा, सुंदरकांड पाठ, शरद पूर्णिमा पर खीर एवं महाप्रसाद वितरण और श्री हनुमंत कथा के शुभारंभ ने विष्णुधाम मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति का विशेष वातावरण निर्मित किया।आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालु 26 अक्टूबर से प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्री सिद्ध पीठ विष्णुधाम मंदिर पहुंचकर श्री हनुमंत कथा का श्रवण कर, पुण्य लाभ प्राप्त करने और 205 फीट ऊंची श्री हनुमान प्रतिमा के निर्माण के महा-संकल्प में सहभागी बनने की अपील की है।

विशेषज्ञ बोले, वैभव को तीसरे नंबर पर उतारना सही नहीं

क्राइस्टचर्च। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर क्रिकेट जानकारों ने नाराजगी जतायी है। वैभव मैच में 8 गेंद पर केवल 4 रन ही बना पाये थे। विशेषज्ञों का कहना है कि पारी की शुरुआत के लिए उतरने वाले वैभव को नंबर 3 पर खेलने का अंदाजा नहीं है क्योंकि उसने अपने छोटे से टी20 करियर में हमेशा एक सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला है। ऐसे में उन्हें अचानक तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना कहीं से भी ठीक नहीं है। दूसरे टी20 में वैभव को इसलिए तीसरे नंबर पर भेजा गया क्योंकि टीम प्रबंधन अपनी स्थापित सलामी जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करना चाहता था। इसी रणनीति के कारण वैभव पिछले कुछ समय से अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पा रहे थे। वहीं जब ईशान किशन चोटिल हुए तो उनकी जगह पर वैभव को शामिल किया गया। तब भी टीम प्रबंधन अपनी पूर्व-निर्धारित रणनीति से हटने को तैयार नहीं दिखा। हालांकि इससे पहले हुए एशियाई खेलों में जब संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी एक साथ अंतिम ग्यारह में थे। तब सैमसन ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी।



दूसरे टी20 के बाद विशेषज्ञों ने कहा कि वैभव को नंबर 3 पर उतारना गलती थी। इससे वह कुछ नहीं कर पाये। उसने करीब आठ गेंदों तक संघर्ष किया लेकिन सफल नहीं

विशेषज्ञों ने आगे यह भी कहा कि जब वैभव उतरे थे तब उनके साथ किसी अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत थी जो उन्हें सही मार्गदर्शन दे सके, पर ऐसा नहीं हुा। इसलिए वह बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद से ही पूरी तरह से असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने टीम प्रबंधन को सलाह भी दी कि यदि सूर्यवंशी, अभिषेक और सैमसन तीनों को एक ही अंतिम ग्यारह में शामिल करना अनिवार्य है, तो सैमसन को ही नंबर 3 पर खेलना चाहिए, जैसा कि उन्होंने पहले भी भारत के लिए एशियाई खेलों के दौरान सफलतापूर्वक इस नंबरपर खेला था।

तीसरे टी20 में बदलावों के साथ उतरेगी न्यूजीलैंड

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ मंगलवार को खेले जाने वाले तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में बड़े बदलावों के साथ उतरेगी। मेजबान टीम पांच मैचों की इस सीरीज के पहले दोने मैच हारी है। इससे भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे हो गयी है। ऐसे में तीसा टी20 बेहद अहम माना जा रहा है। तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा, जिसके लिए कीवी टीम में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट का कहना है कि खिलाड़ियों को प्रदर्शन के अनुसार नहीं बल्कि वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण बदला जा रहा है। इसी कारण कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है, जबकि कुछ की भूमिका बदली गयी है।



इसी के तहत ही तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन तीसरे टी20 मुकाबले से बाहर रहेंगे। वह ईडन पार्क व सेडन पार्क में होने वाले अंतिम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए टीम में फिर जुड़ेंगे। वहीं, कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका मैट हेनरी के रूप में लगा है, जो पूरी टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। हेनरी अब सीधे भारत के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला में वापसी करेंगे, जिससे उनकी अनुपस्थिति टी20 प्रारूप में टीम की गेंदबाजी को प्रभावित कर सकती है।

इसके अलावा, ऑलराउंडर काइल जैमीसन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद वेलिंगटन में ही रुकेंगे और 31 अक्टूबर को सेलो बेसिन रिजर्व में कैंटरबरी के फोर्ड ट्रॉफी के दूसरे राउंड के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वह एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में लौटेंगे। ब्लेयर टिकनर को तीसरे से पांचवें टी20 के लिए वेलिंगटन में टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है, जबकि उनके साथी जोश क्लार्कसन चौथे और पांचवें टी20 के लिए ऑकलैंड में टीम का हिस्सा बनेंगे। मैट फिशर सिर्फ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए कवर के तौर पर टीम के साथ वेलिंगटन जाएंगे और बुधवार को लिंकन यूनिवर्सिटी में न्यूजीलैंड ए टीम में वापस आ जाएंगे।

तिलक ने रोहित के रिकार्ड की बराबरी की

क्राइस्टचर्च । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक बड़े रिकार्ड की भी बराबरी की है। तिलक ने अपनी नाबाद 51 रनों की पारी के साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली है। यह है सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए चार अर्धशतक लगाने का। । तिलक ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे अर्धशतक लगाया है। गौरतलब है कि रोहित ने साल 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद इस प्रारुप को अलविदा कह दिया था, उन्होंने भी अपने करियर में चारा बार यह कारनामा हासिल किया था। वहीं विराट कोहली इस सूची में पहले स्थान पर हैं, और सफलता पूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 अर्धशतक लगाये हैं।

तिलक ने ये पारी तब खेली जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी और टीम संकट में थी। ऐसे दबाव वाले क्षण में, भारतीय उप-कप्तान तिलक वर्मा ने जिम्मेदारी संभाली और मध्यक्रम बल्लेबाज नमन धीर (31 रन) तथा बाद में नीतीश रेड्डी (नाबाद 26 रन) के साथ मिलकर दो शानदार साझेदारियां कीं। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया।

बोधना सबसे कम उम्र की इंटरनेशनल शतरंज मास्टर विजेता खिलाड़ी बनी

लंदन । ब्रिटेन की बोधना शिवानंदन इंटरनेशनल शतरंज मास्टर खिताब जीतने वाली विश्व की सबसे उम्र की खिलाड़ी बनी गयी हैं। भारतीय मूल की 11 साल की ब्रिटिश खिलाड़ी बोधना ने मोंटेनेग्रो के बुडवा में आयोजित यूरोपीय महिला क्लब कप में जीत के साथ ही हंगरी की दिग्गज जुडीत पोल्गार का 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पोल्गार ने यह खिताब साल 1988 में 12 साल की उम्र में जीता था और उन्हें तब से ही शतरंज इतिहास की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। अब बोधना ने पोल्गार भी कम उम्र में यह असाधारण उपलब्धि हासिल कर



अपने को साबित किया है। बोधना ने यूरोपीय महिला क्लब कप के अंतिम राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे कम उम्र में खिताब जीता। उन्होंने अपनी टीम शी प्लेज टू विन लायनेसेस ए को 4-0 की निर्णायक जीत दिलाते हुए स्वीडन की महिला इंटरनेशनल मास्टर विक्टोरिया जोहानसन को सिर्फ 32 चालों में ही शिकस्त दे दी। वहीं इस प्रतियोगिता में, पूर्व महिला विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोर्याचिकिना के हाथों मिली हार के बावजूद बोधना ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने कुल सात मैचों में 5.5 अंक हासिल किये, जिसके कारण उन्हें अपना तीसरा और अंतिम आईएम नॉर्म मिला। इसी के साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल मास्टर बनने के लिए अनिवार्य 2400 लाइव रेटिंग की बाधा को भी पार कर लिया है। यह उपलब्धि उन्हें आईएम खिताब प्राप्त करने वाले 10 सबसे युवा खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल करती है, जो उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है। बोधना इससे पहले वूमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) का खिताब पूरा करने वाली इतिहास की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी थी।

लामता में भव्यता के साथ मनाया गया असाटी दिवस

पद्मेश न्यूज़। लामता। बालाघाट जिले के लामता में सामाजिक एकता, भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से असाटी दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रैली, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं प्रतिभावान सदस्यों का सम्मान कर सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन समाज के अध्यक्ष महेश असाटी, उपाध्यक्ष मुकेश असाटी, सचिव आनंद असाटी एवं कोषाध्यक्ष रितेश असाटी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन में समाज के महिला-पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बड़े हनुमान मंदिर से निकली भव्य रैली

असाटी दिवस के अवसर पर भव्य रैली का शुभारंभ बड़े हनुमान मंदिर से किया गया। रैली चमन टोला, शारदा मंदिर एवं संकट मोचन हनुमान मंदिर से होते हुए पुनः बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान समाज के लोगों में उत्साह देखने को मिला। व्यस्त मार्गों पर सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए लामता थाना प्रभारी जितेंद्र चौहान सहित थाना स्टाफ मुस्तैद रहा।



महिला मंडल ने संभाली आयोजन की जिम्मेदारी

कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला मंडल अध्यक्ष मोना असाटी, सचिव अनुराधा असाटी, सह सचिव राजश्री असाटी एवं कोषाध्यक्ष रुचि असाटी के नेतृत्व में महिला मंडल की टीम ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर प्रतिभावान सदस्यों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन के माध्यम से समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने का संदेश दिया गया।

सामाजिक उत्थान के लिए किया विचार-विमर्श

कार्यक्रम के समापन पर समाज के सदस्यों ने अल्पाहार के साथ आपसी संवाद किया। इस दौरान समाज की एकता को मजबूत बनाने, सामाजिक सहयोग बढ़ाने तथा भविष्य में समाज के उत्थान के लिए विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। आयोजकों ने असाटी दिवस के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाज बंधुओं, महिला मंडल, युवाओं एवं प्रशासनिक अमले के प्रति आभार व्यक्त किया। असाटी दिवस का यह आयोजन सामाजिक एकजुटता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश देकर संपन्न हुआ।

शरद पूर्णिमा के सुअवसर पर असाटी दिवस का आयोजन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। रविवार 25 अक्टूबर, को शरद पूर्णिमा के पावन सुअवसर पर असाटी वैश्य विकास समिति बालाघाट द्वारा नगर के पार्श्वनाथ भवन में असाटी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की सांस्कृतिक परंपराओं, सेवा एवं सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेंद्र असाटी (दमोह) देवेश असाटी (आमगांव) एवं संतोष असाटी (तिरोड़ा) उपस्थित रहे। साथ ही समिति अध्यक्ष संजय असाटी, महिला अध्यक्ष श्रीमती विनीता असाटी एवं युवा अध्यक्ष कलश असाटी सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ शुभारंभ

समारोह का शुभारंभ प्रभु श्रीराम के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया। बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और उपस्थितजनों का मन मोह लिया।वही असाटी दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को कंबल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता, सहयोग एवं मानवीय मूल्यों का संदेश दिया गया।



पुलिस विभाग ने दी साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी

कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल प्रभारी श्रीमती मेघा तिवारी एवं एसआई श्रीमती किरण वाटकले उपस्थित रहीं। उन्होंने समाजजनों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, अनजान लिंक एवं डिजिटल लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए सभी को डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्क रहने के लिए जागरूक किया।

समाज की एकता, सेवा और संस्कारों को बढ़ावा देना उद्देश्य- संजय

असाटी वैश्य विकास समिति बालाघाट के अध्यक्ष संजय असाटी ने बताया कि असाटी दिवस समाज की एकता, आपसी सहयोग एवं सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं एवं संस्कारों से जोड़ने तथा सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता करने का आह्वान किया।समारोह के माध्यम से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, सामाजिक समरसता एवं एकजुटता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी वरिष्ठजनों, महिला शक्ति एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

खेती की तरक्की, किसान की खुशहाली और
प्रदेश की समृद्धि का महाअभियान

बलराम कृषि महोत्सव

15 जुलाई - 13 नवम्बर 2026

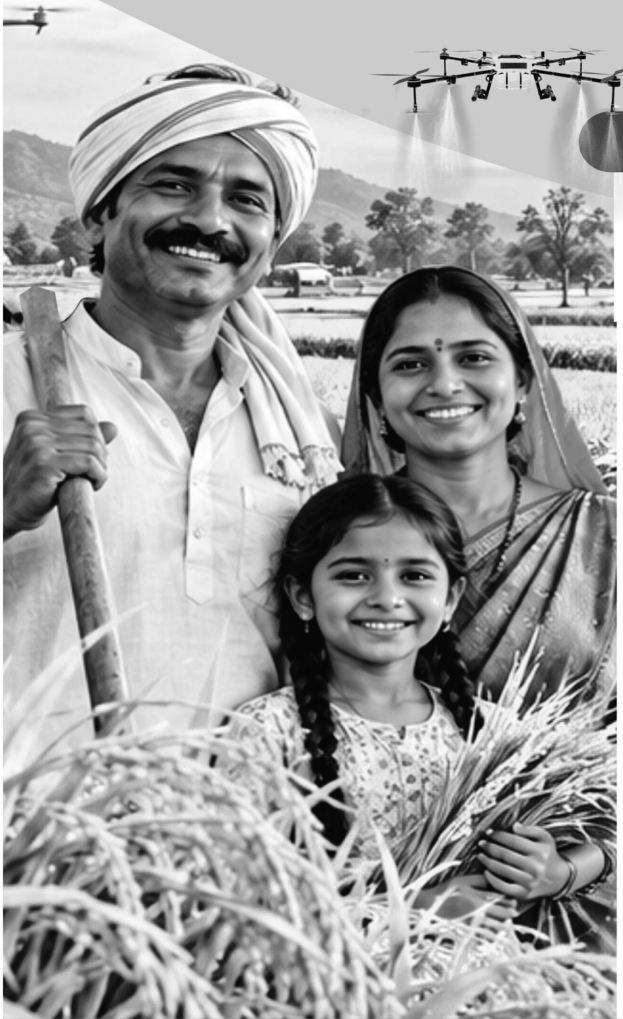


नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

जबलपुर संभाग में आयोजन

नरसिंहपुर 26 अक्टूबर	जबलपुर 27 अक्टूबर	
कटनी 28 अक्टूबर	डिंडौरी 30 अक्टूबर	मंडला 31 अक्टूबर
बालाघाट 1 नवम्बर	सिवनी 2 नवम्बर	छिंदवाड़ा 3 नवम्बर	पांढुर्णा 4 नवम्बर



किसान कल्याण से कृषि विकास तक प्राथमिकताएं

सिंचाई का विस्तार
वर्ष 2028-29 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य।

कृषि उत्पादन को नई ऊंचाई
उद्यानिकी उत्पादन के लिए 490 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य।

किसानों को उचित मुआवजा
कृषि भूमि अर्जन पर चार गुना मुआवजे का प्रावधान।

आर्थिक संबल
पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना ₹12,000 की सहायता।

सस्ती ऊर्जा, बेहतर खेती
10 हॉर्सपावर तक के कृषि पम्पों के लिए ऊर्जा सहायता एवं ₹5 में बिजली कनेक्शन की सुविधा।

कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन
खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने हेतु 60% तक प्रोत्साहन।

डेयरी क्षेत्र का विस्तार
प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध संग्रहण का लक्ष्य।

पशुपालकों को बाजार से जोड़ना
5,562 दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से 83 हजार सदस्यों के वित्तीय समावेशन का लक्ष्य।

ब्याज का बोझ कम
फसल ऋण पर 0% ब्याज दर की सुविधा।

सौर ऊर्जा से सिंचाई
पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य।

कृषि आधारित उद्योगों को नई गति
पात्र इकाइयों को 50% तक सब्सिडी का प्रावधान।

कृषि निर्यात को बढ़ावा
₹6,000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य और ₹12,400 करोड़ से अधिक के संभावित निवेश।



D11149/26

हर खेत तक पानी | हर किसान को सम्मान | हर फसल को बेहतर अवसर

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर। समाज। गांव
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

रेंगाटोला में रेत का अवैध परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

खनिज विभाग की कार्रवाई, अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने चलाया जा रहा अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिजों के भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को खनिज उड़नदस्ता दल ने विभिन्न स्थानों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान रेंगाटोला में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गईं। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश तथा उप संचालक खनि प्रशासन सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के बाद जब्त वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा, बालाघाट में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण रखने, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि रोकने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध खान और खनिज अधिनियम, मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैहर-बिरसा में बच्चों की मौत का सिलसिला जारी, स्वास्थ्य विभाग के दावों पर फिर उठे सवाल

घुम्मुर पंचायत क्षेत्र में दो बच्चों की मौत की स्वास्थ्य विभाग ने की पुष्टि, सोशल मीडिया पर चार बच्चों की मौत के दावे, एक बालिका की मौत का कारण अब भी स्पष्ट नहीं, बाल मृत्यु समीक्षा कराएगा विभाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर और बिरसा के आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहतर होने के दावों के बीच बच्चों की मौत के नए मामले सामने आने से एक बार फिर व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। मलेरिया, कुपोषण और अन्य बीमारियों के खतरे के बीच बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत घुम्मुर से 23 और 24 अक्टूबर के दौरान बच्चों की मौत की जानकारी सामने आई है। सोशल मीडिया पर खैरटोला में दो सहित चिखली और कोडबिरकोना में एक-एक बच्चे की मौत होने के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने घुम्मुर पंचायत क्षेत्र में इन दो दिनों के दौरान दो बच्चों की मौत की पुष्टि की है। ऐसे में मौतों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं, लेकिन बच्चों की मौत की घटनाओं ने आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति पर फिर बहस छेड़ दी है। बीते दिनों प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से हालात में सुधार की बात कही जा रही थी, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को समय पर जांच, उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं कितनी प्रभावी ढंग से मिल पा रही हैं।



स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, घुम्मुर पंचायत के खैरटोला निवासी तीन वर्षीय रेखा पिता मनतू की मौत हुई है, जबकि सुंदरवाही निवासी दो माह 23 दिन के शिवम उइके की भी जान चली गई। शिवम सुंदरवाही क्षेत्र में सोनगुड्डु सेक्टर का निवासी था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने बताया कि दोनों बच्चों का टीकाकरण हुआ था और उन्हें स्वस्थ बताया गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शिवम की मौत स्तनपान के दौरान दूध श्वासनली में चले जाने से हुई। चिकित्सा भाषा में इसे एस्पिरेशन कहा जाता है, जिसमें दूध या अन्य तरल पदार्थ भोजन नली के बजाय श्वासनली और फेफड़ों की ओर चला जाता है और गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। वहीं, तीन वर्षीय रेखा की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। सीएमएचओ ने बताया कि दोनों मामलों की परिस्थितियों और वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए बाल मृत्यु समीक्षा कराई जाएगी। जांच के बाद ही मौतों के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इसी बीच, 21 अक्टूबर को बिरसा विकासखंड के मातला गांव के बिसरू परते की छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ अस्पताल में हुई मौत का मामला भी सामने आया था। सीएमएचओ डा. शत्रुघ्न सिंह दाहिया के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में बिसरू की मलेरिया जांच पीएफ पॉजिटिव पाई गई थी। इस संबंध में खैरागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि उपचार और मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त की जा सके। एक ओर आदिवासी क्षेत्रों में मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर बच्चों की मौत के मामलों में समय पर बीमारी की पहचान, उपचार और स्वास्थ्य निगरानी की व्यवस्था पर ध्यान देना जरूरी है। हालांकि, प्रत्येक मौत का कारण अलग हो सकता है और बिना जांच के सभी मामलों को मलेरिया, कुपोषण या स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से जोड़ना उचित नहीं होगा, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं की गंभीरता से समीक्षा आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग ने सुंदरवाही के शिवम की मौत के संदर्भ में माताओं को स्तनपान के बाद शिशु को डकार दिलाने और उचित सावधानियां बरतने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं भी माताओं को इस संबंध में जागरूक करती हैं। इसके बावजूद इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, नियमित निगरानी और जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है, इसकी समीक्षा जरूरी है। घुम्मुर पंचायत में दो बच्चों की मौत की पुष्टि और सोशल मीडिया पर चार बच्चों की मौत के दावों के बीच प्रशासन के सामने सबसे पहले वास्तविक आंकड़ों और प्रत्येक मामले की स्थिति स्पष्ट करने की जिम्मेदारी है। साथ ही, जिन बच्चों की मौत हुई है, उनके मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कारण सामने लाना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाना भी अहम है। आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का दावा तभी जमीन पर सार्थक माना जाएगा, जब बच्चों को समय पर उपचार मिले और ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था दिखाई दे।

जिंदगी बचाने की कोशिश में उजड़ गया परिवार

पत्नी को बचाने कुएं में कूदे पति, दोनों की दर्दनाक मौत!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पत्नी को मौत के मुंह से बचाने के लिए पति ने अपनी जान की परवाह किए बिना कुएं में छलांग लगा दी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पत्नी को बचाने की कोशिश में पति भी कुएं से बाहर नहीं निकल सका। देखते ही देखते हंसता-खेलता परिवार उजड़ गया और पांच बेटों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया। दिल दहला देने वाली



यह घटना बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सीताडोंगरी तालाब टोला में रविवार दोपहर को सामने आई है। जहां हादसे में पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

आंगन के कुएं में गिरी पत्नी, बचाने कूदे पति की भी मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सीताडोंगरी के तालाब टोला निवासी अंजोर सिंह उइके (52), पिता धरमसिंह उइके, के घर के आंगन में पत्थर का कुआं है। कुएं में लगी पानी की मोटर पिछले तीन-चार दिनों से खराब थी। रविवार दोपहर करीब दो बजे उनकी पत्नी शांति बाई उइके (48) बाल्टी से पानी निकाल रही थीं। इसी दौरान अचानक वह कुएं में गिर गईं। पत्नी को कुएं में गिरता देख अंजोर सिंह ने उन्हें बचाने के लिए बिना देर किए कुएं में छलांग लगा दी। लेकिन पत्नी को बचाने की कोशिश में वह खुद भी कुएं से बाहर नहीं निकल पाए और दोनों की जान चली गई।

पांच बेटों के सिर से उठा माता-पिता का साया

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अंजोर सिंह और शांति बाई के पांच बेटे हैं। बताया गया कि परिवार के सभी सदस्य साथ रहते हैं। माता-पिता की एक साथ हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी को बचाने के लिए पति का कुएं में कूदना और दोनों का एक साथ दुनिया से विदा हो जाना पूरे गांव को झकझोर गया।

पुलिस ने शव बरामद कर शुरू की जांच

उधर घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बैहर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी के शव कुएं से बरामद किए। घटना की खबर गांव में फैलते ही मातम छा गया। जिस घर में कुछ देर पहले तक सामान्य दिनचर्या चल रही थी, वहां चीख-पुकार और गमगीन माहौल हो गया।

सोमवार को होगा पोस्टमार्टम-सिंगौर

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बैहर थाना प्रभारी दीपिका सिंगौर ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर दोनों के शव कुएं से बरामद किए है। देर शाम होने के कारण दोनों शवों का पोस्टमार्टम सोमवार को कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

नौकरी के नाम पर 9 लाख की ठगी, भोपाल से आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बेरोजगार युवक को नौकरी दिलाने का झांसा देकर 9 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में कटंगी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिवनी निवासी आकाश पिता नारायण सिंह ठाकुर (32 वर्ष), वर्तमान निवासी भोपाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाकर फरियादी से धीरे-धीरे बड़ी रकम हासिल की। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी और रकम वापस नहीं मिली, तब पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने कटंगी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और आखिरकार भोपाल में दबिश देकर उसे पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटंगी निवासी योगेन्द्र मिश्रा ने पुलिस को बताया कि आकाश ठाकुर ने उसे नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया था। आरोपी ने कथित तौर पर खुद को रसूखदार बताते हुए अधिकारियों से जान-पहचान होने की बात कही और इसी भरोसे पर नौकरी के नाम पर उससे कुल 9 लाख रुपये ले लिए। लेकिन लंबे समय तक न तो नौकरी मिली और न ही आरोपी ने रकम वापस की। शिकायत के आधार पर कटंगी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(3), 318(4), 338 और 3/5 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अब मामले से जुड़े तथ्यों और लेन-देन की जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी भोपाल में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भोपाल में दबिश देकर उसे हिरासत में ले लिया। रविवार सुबह आरोपी को कटंगी लाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे वारासिवनी उपजेल भेज दिया गया।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट